page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/26/2025 1:31 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मीरपुर शहीदों की स्मृति में प्रभात फेरी, भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित

5 हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा: साइना

8 सर्दी के मौसम में दुधारू पशुओं की देखभाल

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-289 | जम्मू तवी, बुधवार 26 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

सिख गुरुओं की परंपरा हमारी संस्कृति और मूल भावना का आधार : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 25 नवंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे गुरुओं की परंपरा राष्ट्र के चरित्र, संस्कृति और मूल भावना का आधार है। गुरु तेग बहादुर साहिब जी की स्मृति हमें ये सिखाती है कि भारत की संस्कृति कितनी व्यापक, उदार और मानवता केंद्रित रही है। उन्होंने सरबत दा भला का मंत्र अपने जीवन से सिद्ध किया।

प्रधानमंत्री ने 9वें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर आज कुरुक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया।

उल्लेखनीय है कि गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर को भारत सरकार एक वर्ष तक चलने वाला स्मरण उत्सव मना रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं ने हमें सिखाया है कि हमें बिना डरे और बिना किसी को डराए जीवन की हर चुनौती का सामना करना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उदाहरण है। आज का भारत ना डरता है, न रुकता है और ना ही झुकता है और साहस और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ता है।

प्रधानमंत्री ने नौजवानों को नशे की आदत से सावधान किया और कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षा हमारे लिए इस दिशा में प्रेरणा और समाधान है। उन्होंने कहा कि युवा, समाज एवं परिवार को मिलकर इस लड़ाई को लड़ना होगा।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में मुगलों के अत्याचार और उसके खिलाफ संघर्ष की सिख परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इतिहास में गुरु तेग बहादुर जी जैसे व्यक्तित्व विरले ही होते हैं। उनका जीवन, त्याग और चरित्र हमारे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है। मुगल आक्रांताओं के कश्मीरी हिंदुओं का जबरन धर्मांतरण कराने पर गुरु साहिब ने उन्हें कहा कि वे औरंगजेब को साफ-साफ कहें यदि श्री गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार कर लें, तो हम सब इस्लाम अपना लेंगे।

उन्होंने कहा, इन वाक्यों में श्री गुरु तेग बहादुर जी की निडरता की पराकाष्ठा थी।

मुगल शासकों ने उन्हें प्रलोभन भी दिए लेकिन श्री गुरु तेग बहादुर अडिग रहे। उन्होंने धर्म और सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। गुरु साहिब को डिगाने के लिए उनके सामने उनके तीन साथियों भाई दयाला जी, भाई सतीदास जी, भाई मतिदास जी की निर्ममता से हत्या की गई, लेकिन गुरु साहिब अटल रहे। उनका संकल्प अटल रहा। उन्होंने धर्म का रास्ता नहीं छोड़ा। तब की अवस्था में गुरु साहिब ने अपना शीश धर्म की रक्षा को समर्पित कर दिया।

श्रीराम मंदिर पर मोदी ने फहरायी धर्म ध्वजा, जयश्रीराम के उद्घोष से गूंजा परिसर

अयोध्या, 25 नवंबर । उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ध्वज फहराया।

इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के जरिए 'संकल्प सिद्धि' के लिए रामनगरी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। रोड शो और पूजा अर्चना के बाद उन्होंने संघ प्रमुख भागवत के साथ ध्वजारोहण का कार्य पूरा किया।

इस दौरान जयश्रीराम, जय जय हनुमान के गगनभेदी नारों संग अयोध्यावासियों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर पुष्पवर्षा भी की। श्रीराम की अयोध्या ने प्रधानमंत्री का पूरे रास्ते में अभूतपूर्व स्वागत किया।

अयोध्यावासियों के एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा फहरा रहा था। वहीं स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। अयोध्या पहुंचने पर रायपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। गौरतलब है कि श्री मोदी आज सुबह अयोध्या पहुंचे। साकेत महाविद्यालय पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा। वहां से काफिले संग टेढ़ी बाजार होते हुए उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर में प्रवेश किया। इस दौरान अयोध्यावासियों ने जयश्रीराम, जय जय हनुमान के गगनभेदी नारों संग उनका स्वागत किया। अयोध्यावासी एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा फहराते हुए प्रधानमंत्री का स्वागत करते रहे। प्रधानमंत्री ने भी पूरे रास्ते में हाथ हिलाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री ने सप्त मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह्य और माता शबरी मंदिर में पहुंचकर प्रधानमंत्री ने शीश झुकाया।

संक्षेप खबर

एनआईए कोर्ट ने 2019 सीआरपीएफ काफिले पर हमले की योजना के लिए इस्तेमाल किए गए घर को जब्त करने का आदेश दिया

जम्मू, 25 नवंबर । आतंकी साजो-सामान के खिलाफ एक निर्णायक प्रहार में एनआईए अधिनियम जम्मू के तहत नामित विशेष अदालत ने पुलवामा जिले के काकपोरा तहसील के हकरीपोरा में एक आवासीय घर को जब्त करने का आदेश दिया है जिसमें कहा गया है कि इस परिसर का इस्तेमाल जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के गुर्गों द्वारा छिपने और योजना बनाने के अड्डे के रूप में किया गया था जो 14 फरवरी, 2019 के पुलवामा आईईडी हमले के पीछे थे, जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।

अदालत ने यूएपीए की धारा 25-26 के तहत संपत्ति को आतंकवाद की आय घोषित किया और किसी भी हस्तांतरण या तीसरे पक्ष के हित पर रोक लगा दी।

पीठासीन न्यायाधीश संदीप गंडोत्रा ने एनआईए के मुख्य जांच अधिकारी (सीआईओ) राजीव ओम प्रकाश पांडे द्वारा दिए गए एक आवेदन को स्वीकार कर लिया जिसमें आरोपी पीर तारिक अहमद शाह की पत्नी नसीमा बानो के नाम पर पंजीकृत 9.5 मरला आवासीय घर (खसरा नंबर 492 मिनट) को जब्त करने की मांग की गई थी। अदालत में एनआईए का प्रतिनिधित्व विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) के एस पठानिया ने किया। अनावेदक की ओर से अधिवक्ता सैयद आज़ाद अंद्राबी ने आपत्ति दर्ज की हालाँकि बाद में उन्होंने कहा कि वह बानो के वकील नहीं थे, जिसके बाद वह उपस्थित होने में विफल रहीं और उन्हें एकपक्षीय आदेश दिया गया। जांचकर्ताओं ने स्थापित किया कि जैश आतंकवादियों मुहम्मद उमर फारूक, समीर अहमद डार और आदिल अहमद डार ने काफिले पर बमबारी से पहले और बाद में हकरीपोरा घर का इस्तेमाल किया, घर के सदस्यों ने कथित तौर पर आश्रय प्रदान किया जिससे साजिश को आगे बढ़ाया गया। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि यूएपीए के तहत आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए किसी संपत्ति को जब्त करने-उपयोग करने के लिए मुख्य आरोपी का स्वामित्व आवश्यक नहीं है। मामला एफआईआर संख्या 20/2019 (अवंतीपोरा) से उपजा है, जिसे एनआईए ने 20 फरवरी, 2019 को आरसी-02/2019/एनआईए/जेएमयू के रूप में फिर से पंजीकृत किया। संपत्ति 16 मार्च, 2021 को कुर्क की गई थी, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 13 मई, 2021 को कुर्की की पुष्टि की और बानो की अपील 31 अगस्त, 2022 को खारिज कर दी गई। बार-बार नोटिस के बाद, वह उपस्थित नहीं हुई, जिसके कारण एक पक्षीय कार्यवाही और अंतिम जब्ती आदेश दिया गया। अदालत ने निर्देश दिया कि मुख्य एनआईए मुकदमे की समाप्ति तक संपत्ति को किसी भी तरीके से स्थानांतरित नहीं किया जाएगा और न ही उस पर भार डाला जाएगा और अनुपालन के लिए पुलवामा के उपायुक्त को एक प्रति भेज दी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजस्व विभाग की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन पर दिया जोर

जम्मू, 25 नवंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सिविल सचिवालय में बैठक की अध्यक्षता कर राजस्व विभाग द्वारा कार्यान्वित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव अतल दुल्लू, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त आयुक्त राजस्व) शालेन काबरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संतोश डी. वैद्य, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन, कश्मीर के संभागीय आयुक्त, सभी जिला उपायुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विभिन्न जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी शामिल हुए।

बैठक के प्रारंभ में राजस्व सचिव ने 18 प्रमुख निर्माण परियोजनाओं—जिनमें तहसील व नायबात कार्यालय, आवासीय क्वार्टर, मिनी सचिवालय और राजस्व परिसर शामिल हैं—की विस्तृत प्रस्तुति दी। ये परियोजनाएँ रामबन, कठुआ, पुंछ, डोडा, उधमपुर, रियासी, बांदीपोरा, अनंतनाग, पुलवामा और श्रीनगर में चल रही हैं। प्रस्तुति में बताया गया कि कुछ परियोजनाएँ फंड जारी होने में देरी, लंबित प्रशासनिक अनुमतियों और कुछ स्थानों पर कानूनी जटिलताओं के कारण प्रभावित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शेष परियोजनाओं को तीव्र गति से पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित स्वीकृतियों को तुरंत निपटाया जाए, कानूनी बाधाओं को दूर किया जाए और लागत वृद्धि को रोकने के लिए वित्तीय योजना को परियोजना समय-सीमा के अनुरूप समन्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि एक आधुनिक और कुशल राजस्व प्रशासन का निर्माण सरकार की प्राथमिकता है और इन परियोजनाओं का समय पर पूरा होना नागरिक-केंद्रित सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं की सख्त निगरानी, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और समय-सीमा के कड़ाई से पालन की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार सभी लंबित कार्यों के सुचारु निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अवसंरचना को मजबूत करना जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास और शासन सुधारों के लिए शीर्ष प्राथमिकता है।

छात्रों को धर्म के आधार पर दाखिले से मना नहीं किया जा सकता : मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 25 नवंबर । जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों को दाखिले से बाहर रखने का सुझाव उन सिद्धांतों के खिलाफ है जिन पर यह इंस्टीट्यूशन बनाया गया था।

जम्मू में मीडिया से बात करते हुए उमर ने कहा कि नीट के ज़रिए क़ालिफ़ाई करने वाले छात्रों ने अपनी सीट कमाई है और उन्हें धर्म के आधार पर दाखिले से मना नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर कोई ग्रुप या राजनीतिक नेता चाहता था कि कॉलेज सिर्फ़ किसी खास समुदाय के छात्रों को दाखिला न दे, तो इंस्टीट्यूशन को इसके बनने के समय ही अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाना चाहिए था।

उमर ने कहा कि जब यह मेडिकल कॉलेज बनाया गया था, अगर इरादा मुस्लिम छात्रों को बाहर रखने का था तो इसका स्टेटस उसी हिसाब से बताया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ाई और प्रोफेशनल ट्रेनिंग चाहते हैं और धर्म किसी भी इंस्टीट्यूशन में पढ़ने के उनके अधिकार पर असर नहीं डालता। उन्होंने कहा कि जब बच्चे माता वैष्णो देवी के नाम पर बने कॉलेज में पढ़ते हैं तो वे वहां सीखने और डॉक्टर बनने जाते हैं।

भाजपा नेता सुनील शर्मा के हालिया बयानों का ज़िक्र करते हुए उमर ने कहा कि अलग-थलग करने वाले तरीकों से सामाजिक दूरियां बढ़ सकती है और बाद में उन्हीं समुदाय पर इल्ज़ाम लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर छात्रों को दूर किया जाता है और बाद में उन पर अलग-थलग या असर में होने का इल्ज़ाम लगाया जाता है तो ज़िम्मेदारी माननी चाहिए।

3 रिश्तेदारों की रहस्यमयी मौत, दुखी परिवार ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की

कठुआ, 25 नवंबर। तीन रिश्तेदारों की रहस्यमयी मौत के लगभग नौ महीने बाद उनके दुखी परिवारों के कुछ सदस्यों ने मंगलवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी जिसमें पुलिस और प्रशासन पर न्याय दिलाने में नाकाम रहने का आरोप लगाया गया। उन्होंने मांग की कि निष्पक्ष जांच के लिए मामले को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन सीबीआई या नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंप दिया जाए। देहोता के वरुण सिंह (15), उनके चाचा योगेश सिंह (32) और मामा दर्शन सिंह (40) के शव दूर मल्हार इलाके में इशु नाला में एक झरने से मिले थे जब वे 5 मार्च को एक शादी समारोह में जाते समय लापता हो गए थे। इस घटना में अपने बेटे और भाई को खोने वाले चमेल सिंह के नेतृत्व में दुखी परिवारों के तीन सदस्य कठुआ जिले के मल्हार इलाके में शिव मंदिर परिसर के अंदर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। मृतकों के लिए 'हवन' (खास प्रार्थना) के बाद विरोध शुरू हुआ जिसमें मडून देओटा, मछेड़ी, लोहाई और कुंड गांवों के स्थानीय लोग दुखी परिवारों के साथ घटना की निष्पक्ष जांच के लिए दबाव बनाने के लिए शामिल हुए। सिंह ने कहा कि देरी न्याय से इनकार करने के बराबर है। उन्होंने सच्चाई सामने आने और दोषियों को सज़ा मिलने तक संघर्ष जारी रखने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि क्राइम की क्रूरता के बावजूद सरकार निष्पक्ष जांच करने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे मेरे भाई और मेरे जीजा की प्लानिंग के साथ हत्या कर दी गई और उनके शव 4 मार्च को इशु नाले में फेंक दिए गए। वे कई दिनों बाद मिले उन्होंने हत्या के लिए आतंकवादियों को दोषी ठहराया।

राणा ने मनकोट में 80 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

मेंढर, 25 नवंबर । पुंछ जिले के मेंढर उपखंड के मनकोट ब्लॉक के विकास को एक बड़ी गति प्रदान करते हुए जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने 80 करोड़ से अधिक मूल्य की विभिन्न बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मंत्री ने कहा कि सड़क संपर्क, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, सार्वजनिक उपयोगिताओं और खेल जैसे आवश्यक क्षेत्रों को कवर करने वाली ये परियोजनाएँ इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी। मंत्री ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के उन सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों में निरंतर और समावेशी विकास लाने के संकल्प को रेखांकित किया जो लंबे समय से बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। प्रमुख उद्घाटनों में जीएमएस मनकोट में सामुदायिक भवन का उन्नयन, खरीद और विद्युतीकरण शामिल था, मंत्री ने मनकोट गाँव में एक सामुदायिक सुविधा केंद्र की आधारशिला भी रखी। इसके अतिरिक्त, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और शैक्षणिक वातावरण में सुधार के लिए मिडिल स्कूल बरजा और प्राइमरी स्कूल मग्याद केनी में नए शैक्षणिक कक्षों के साथ-साथ मिडिल स्कूल नर छजला में स्मार्ट कक्षाओं, वाचनालयों और पुस्तकालय के बुनियादी ढाँचे का भी शुभारंभ किया गया।

कश्मीर और जम्मू के विंटर ज़ोन के स्कूलों के लिए सर्दियों की छुट्टियां की घोषणा

श्रीनगर, 25 नवंबर । स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को कश्मीर डिवीज़न और जम्मू डिवीज़न के विंटर ज़ोन इलाकों के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के लिए विंटर वेकेशन शेड्यूल जारी किया। शिक्षा सचिव राम निवास शर्मा आइएएस द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 665-जेके शिक्षा 2025 के अनुसार प्री-प्राइमरी (बालवाटिका) क्लास 26 नवंबर, 2025 से 28 फरवरी, 2026 तक बंद रहेंगी। कक्षा 1 से 8 के लिए सर्दियों की छुट्टियां 1 दिसंबर, 2025 से शुरू होंगी और 28 फरवरी 2026 को खत्म होंगी जबकि कक्षा 9 से 12 तक की छुट्टियां 11 दिसंबर 2025 से 22 फरवरी, 2026 तक बंद रहेंगी।

मुख्य सचिव ने बिजली क्षेत्र में सुधारों की रफ्तार और जवाबदेही पर दिया जोर

जम्मू, 25 नवंबर। मुख्य सचिव अतल दुल्लो ने आज जम्मू-कश्मीर के विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) में चल रहे सुधारात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में संचालन दक्षता बढ़ाने, अवसंरचना को सुदृढ़ करने और फ्ररीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत बिजली हानियों में उल्लेखनीय कमी लाने पर विशेष ध्यान दिया गया। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडीडी, जेपीडीसीएल/केपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक, निगमों के मुख्य अभियंता, एनटीपीसी व पीईएसएल के प्रतिनिधि सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने कहा कि हानि-न्यूनकरण से जुड़े सभी कार्यों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरडीएसएस की समय-सीमा (सनसेट पीरियड) के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने एलटी केबल प्रतिस्थापन, वितरण प्रणाली का उन्नयन, एचटी लाइन कैबलिंग, एचटी कंडक्टर बदलने, फीडर पृथक्करण और बिजली पोल की स्थापना सहित सभी घटकों के लिए दैनिक और साप्ताहिक लक्ष्य तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने फीडर-वार बिलिंग और राजस्व संग्रह दक्षता बढ़ाने पर जोर देते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। मुख्य सचिव ने जम्मू और कश्मीर के संभागीय आयुक्तों से मासिक समीक्षा करने और क्षेत्रीय स्तर पर गैर-प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों की पहचान सुनिश्चित करने को कहा।

जम्मू-कश्मीर में हानि-न्यूनकरण व स्मार्ट मीटरिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा

1.66 करोड़ की बड़ी धोखाधड़ी मामले में चार लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

श्रीनगर, 25 नवंबर । क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने चार लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इन लोगों पर श्रीनगर की एक संपत्ति को जाली दस्तावेज और फर्जी डील्स के जरिए बेचकर 1.66 करोड़ की बड़ी धोखाधड़ी करने का आरोप है। एक बयान में एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा कि क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने आज श्रीनगर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चार आरोपियों अब्दुल वाहिद खान पुत्र अब्दुल कयूम खान निवासी खान मोहल्ला बघाट-ए-बरजुल्ला श्रीनगर, मोहम्मद यूसुफ मलिक पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद रमजान मलिक निवासी नई सड़क हब्बा कदल श्रीनगर मौजूदा समय में नटिपोरा श्रीनगर, मोहम्मद अशरफ मीर पुत्र गुलाम नबी मीर निवासी हखरीपोरा पुलवामा और मोहम्मद मकबूल शाह पुत्र स्वर्गीय शमस-उद-दीन शाह निवासी पीरबाग श्रीनगर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। यह मामला एक शिकायत से शुरू हुआ जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिकायत करने वाले जो काफी ज़मीन वाला घर खरीदना चाहते थे, उनसे इन आरोपियों ने प्रॉपर्टी डीलर बनकर संपर्क किया। आरोपियों ने चिनार कॉलोनी बघाट-ए-बरजुल्ला में एक कनाल और पांच मरला ज़मीन वाला दो मंज़िला घर दिखाया जिसके मालिक मास्टर कोशालिया पत्नी जवाहर लाल राफ़िज़ थे और शिकायत करने वालों से माइग्रेंट प्रॉपर्टी बेचने का झूठा एग्रीमेंट तैयार करके 1.16 करोड़ रुपये देने के लिए कहा।

फल और सब्जियों के उत्पादन सहित लगभग सभी बागवानी फसलों में बढ़ोतरी: शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 25 नवंबर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को वर्ष 2024-25 के बागवानी फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान जारी किया। अनुमान के मुकाबिक बागवानी फसल क्षेत्रफल में 4 लाख हेक्टेयर की वृद्धि अनुमानित है, जो गत वर्ष के 290.86 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 294.88 लाख हेक्टेयर है। उत्पादन में 143.11 लाख टन की वृद्धि अनुमानित है, जो 3547.44 लाख टन से बढ़कर 3690.55 लाख टन अनुमानित है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि ये वृद्धि किसानों की कड़ी मेहनत, कृषि वैज्ञानिकों के प्रयास, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई लाभकारी योजनाओं तथा

किसान हितैषी नीतियों का सद्परिणाम है, जिसमें बेहतर बीज, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और बाजार तक आसान पहुंच भी शामिल है। उन्होंने बताया कि फल व सब्जियों के उत्पादन में खास प्रगति देखी गई है। फल उत्पादन में लगभग 5.12 प्रतिशत (57.82 लाख टन) की वृद्धि होकर 1187.60 लाख टन पहुंचने की उम्मीद है, इसमें केला, आम, तरबूज, कटहल, मंदारिन, पपीता, अमरूद अहम योगदान देते हैं। सब्जियों का उत्पादन 4.09 प्रतिशत (84.76 लाख टन) बढ़कर 2156.84 लाख टन होने का अनुमान है, विशेषकर प्याज उत्पादन गत वर्ष के 242.67 लाख टन से बढ़कर 307.89 लाख टन तक पहुंचने का अनुमान है, यानी 26.88 प्रतिशत की वृद्धि। आलू उत्पादन में 1.85 प्रतिशत की बढ़ोतरी होकर 581.08 लाख टन उत्पादन की उम्मीद है।वर्ष 2024-25 के बागवानी फसलों के क्षेत्रफल व उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान के अनुसार, सुगंधित और औषधीय पौधों का उत्पादन बढ़कर 7.81 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 7.26 लाख टन था, वहीं मसाला उत्पादन लगभग 125.03 लाख टन अनुमानित है, जिसमें लहसुन, अदरक, हल्दी के उत्पादन में वृद्धि हुई है।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

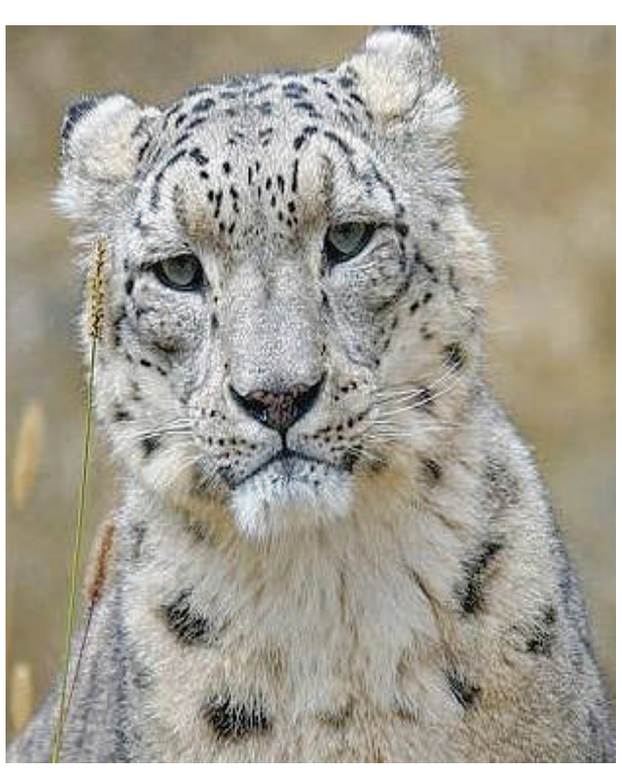

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

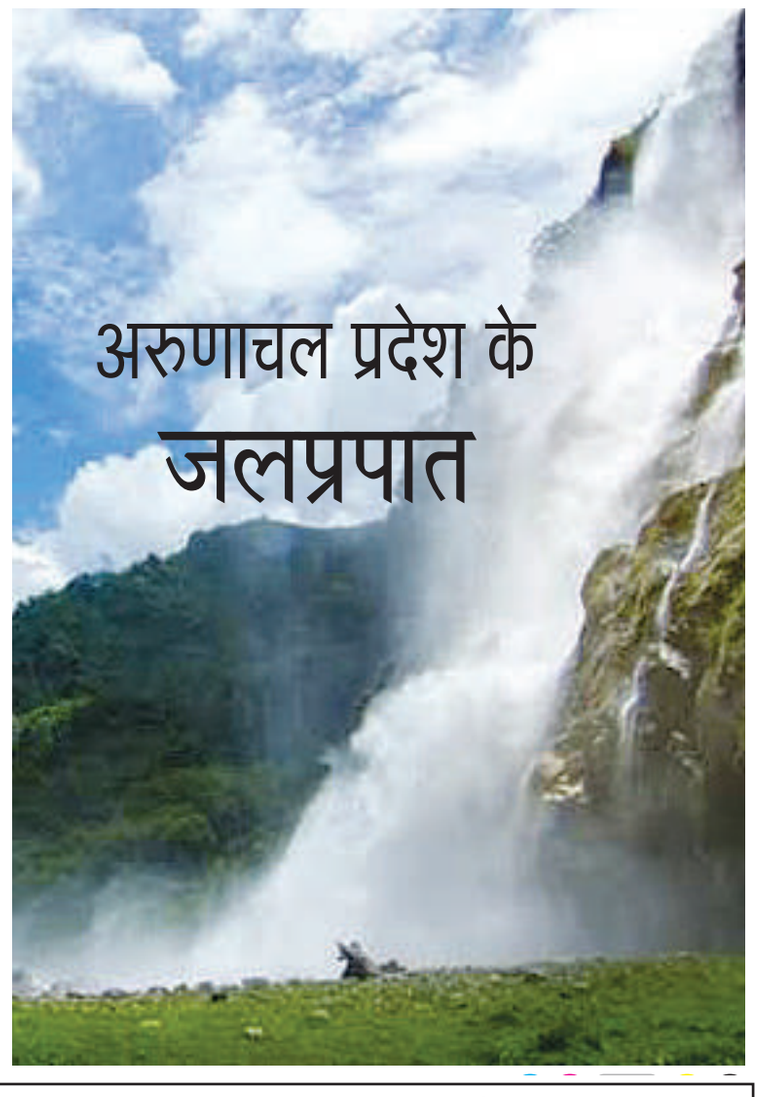

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

मीरपुर शहीदों की स्मृति में प्रभात फेरी, भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। जम्मू शहर और इसकी परिधीय कॉलोनियों में रहने वाले मीरपुरी समुदाय ने आज 1947 में पाकिस्तान समर्थित हमलावरों द्वारा मारे गए मीरपुर के 16,000 से अधिक शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने पूर्वजों के बलिदान को नमन करने के लिए बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएँ, बच्चे तथा बुज़ुर्ग प्रभात फेरी में सम्मिलित हुए। गुरहा और बख्शी नगर से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी मीरपुर चौक से होते हुए प्रातः 9 बजे मीरपुर शहीदी स्मारक, महेशपुरा चौक पहुँची। रिहाड़ी, सरवाल और गांधी नगर से आई प्रभात फेरियाँ भी यहाँ एकत्र हुईं, जहाँ सभी ने शहीदों को पुष्पांजलि दी। पीओके से विस्थापित समुदायों के लिए यह स्मारक वर्तमान में श्रद्धांजलि का एक केंद्रीय स्थान बन चुका है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक जम्मू वेस्ट अरविंद गुप्ता ने स्मारक पर ज्योति प्रज्वलित की और अपने संबोधन में मीरपुरियों की आत्मबलिदानी परंपरा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक वर्ष के भीतर स्मारक को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। प्रभात फेरी के दौरान बख्शी नगर के कई निवासियों ने प्रतिभागियों को चाय और जलपान कराकर आत्मीयता दिखाई। पूरे कार्यक्रम का संचालन रवि कांत गुप्ता ने प्रभावी ढंग से किया, जबकि कवि वेद प्रकाश गुप्ता और सी.पी. गुप्ता की भावुक रचनाओं ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। महिला प्रतिभागियों के उत्कृष्ट संगठन की जिम्मेदारी रजनी गुप्ता, साक्षी गुप्ता और ज्योति लछोत्रा ने निभाई। कार्यक्रम के सुचारू समन्वय के लिए महासचिव राघव गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में संगठन सृजन अभियान के तहत डीसीसी प्रमुखों के चयन प्रक्रिया तेज की

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन सृजन अभियान को तेज कर दिया है। इस अभियान के तहत पार्टी हर जिले में नए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के चयन के लिए कार्यकर्ताओं से सीधे सुझाव और फीडबैक ले रही है।

बांदीपोरा में मीडिया से बात करते हुए जिला पर्यवेक्षक श्री सीताराम लांबा ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य संगठन को फिर से मजबूत आधार देना है और इसके लिए ऐसे नेताओं की पहचान की जा रही है जो कांग्रेस की विचारधारा को समझते हों, कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करते हों और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हों। उन्होंने कहा कि हर जिले में ऐसा नेता चुना जाना चाहिए जो न सिर्फ संगठन को आगे ले जाए बल्कि कांग्रेस की विचारधारा को भी मजबूत करे। गुलाम नबी आजाद द्वारा भाजपा की चुनावी तैयारियों पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अगर आजाद को कांग्रेस से सहानुभूति है तो उन्हें वापस आकर पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए और अपने मूल्यवान सुझाव देने चाहिए। लांबा के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता हाजी अब्दुल राशिद डार, कृष्ण चंद्र भगत, रिक्की दालोत्रा और जेकेपीसीसी जिला अध्यक्ष मुश्ताक अहमद तंत्रे भी मौजूद थे। गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में 21 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी दी है जिनका मुख्य कार्य जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करना, फीडबैक लेना और स्थानीय सुझावों को हाईकमान तक पहुँचाना है।

ईपीएफओ जम्मू द्वारा श्रम संहिताओं पर संगोष्ठी, ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों को दी गई विस्तृत जानकारी

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू ने भारत की संसद द्वारा अधिनियमित चार श्रम संहिताओं के प्रावधानों पर विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य श्रमिक प्रतिनिधियों को नए श्रम एवं सामाजिक सुरक्षा ढांचे की बेहतर समझ देना तथा उनके साथ सूचित और रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना था। संगोष्ठी में जेएंडके और लद्दाख के प्रतिष्ठित श्रमिक नेताओं, नर सिंह नरानिया, अध्यक्ष, जम्मू संभाग (जेएंडके स्टेट सेंटर लेबर यूनियन), अशोक चौधरी, आयोजन सचिव (बीएमएस), हरबंस चौधरी, वरिष्ठ अधिकारी (भारतीय मजदूर संघ), दीप मेहरा, सचिव (किश्तवाड़ प्रांत, जेएंडके स्टेट सेंटर लेबर यूनियन) और एजाज अहमद, जिला अध्यक्ष (किश्तवाड़) ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्तें संहिता 2020 और वेतन संहिता 2019 के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। आरपीएफसी-1 ने बताया कि ये श्रम संहिताएँ कई केंद्रीय श्रम कानूनों को समेकित करके अनुपालन को सरल बनाती हैं, साथ ही सामाजिक सुरक्षा को और मजबूत करती हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के कार्यस्थल मानकों में सुधार लाती हैं। ईपीएफओ टीम ने वेतन से जुड़ी परिभाषाओं के मानकीकरण, न्यूनतम मजदूरी और भुगतान प्रावधानों के साथ-साथ विवाद समाधान तंत्र, औद्योगिक शांति, कार्यस्थल सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण उपायों पर भी व्याख्या प्रस्तुत की। एम्प्लॉयर्स की कानूनी जिम्मेदारियों और सुरक्षा प्रावधानों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

15 साल से वांटेड फरार को पुलिस ने गजनसू इलाके से गिरफ्तार किया

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। एक बड़ी कामयाबी में, जम्मू (रूरल) पुलिस ने एक फरार को गिरफ्तार किया है जो पिछले 15 सालों से कानून से बच रहा था। खास और भरोसेमंद जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस पोस्ट गजनसू की एक पुलिस टीम ने आरोपी ज़हूर अहमद बेटे मोहम्मद अकबर भट निवासी उटर पोरा, तहसील बीरवाह, जिला बडगाम को गिरफ्तार कर लिया। वह पुलिस स्टेशन कनाचक में सेक्शन 457/380 आरपीसी के तहत दर्ज एफआईआर नंबर 06/2010 में वांटेड था।आरोपी दस साल से ज़्यादा समय से फरार था। मिली जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कामयाबी से उसकी लोकेशन का पता लगाया और उसे गजनसू इलाके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय कोर्ट में पेश किया गया जहाँ से उसे बाद में ज़मानत मिल गई

पब्लिक में नशा करने वाले को सेक्शन 355 बीएनएस के तहत कम्युनिटी सर्विस की सज़ा

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। भारतीय न्याय संहिता के तहत एक अहम आदेश में, जम्मू पुलिस ने पुलिस पोस्ट जौरियां में पब्लिक में नशा करने और गलत व्यवहार करने के एक मामले में शामिल एक आरोपी को दोषी ठहराया। आरोपी की पहचान इस तरह हुई है, राकी कुमार पुत्र राम लाल निवासी वार्ड नंबर 06 जौरियां तहसील जौरियां जिला जम्मू 24-11-2025 को आरोपी पुलिस पोस्ट जौरियां के इलाके में एक पब्लिक जगह पर नशे में धुत और हंगामा करते हुए पाया गया। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया मेडिकल जांच की गई और बाद में जेएमआईसी अखनूर की माननीय कोर्ट में पेश किया गया। 25-11-2025 को माननीय कोर्ट ने सेक्शन 355 बीएन एस के तहत सुधार का तरीका अपनाते हुए आरोपी को 26-11-2025 से 27-11-2025 तक कोर्ट कॉम्प्लेक्स अखनूर में 02 दिन की कम्युनिटी सर्विस की सज़ा सुनाई। नए क्रिमिनल कानूनों के तहत यह नियम छोटे-मोटे अपराधों के लिए रिहैबिलिटेशन और कंस्ट्रक्टिव कम्युनिटी एंगेजमेंट पर ज़ोर देता है

पुलिस स्टेशन ने 10 से ज्यादा चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस दक्षिण क्षेत्र ने 10 से ज्यादा चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद करके और जम्मू के कई हिस्सों में सक्रिय एक चोरी के नेटवर्क का भंडाफोड़ करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एसपी दक्षिण जम्मू के समग्र पर्यवेक्षण और एसडीपीओ दक्षिण के निरंतर मार्गदर्शन में गंग्याल पुलिस स्टेशन ने अपने अधिकार क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं में अचानक वृद्धि को देखते हुए एक केंद्रित अभियान शुरू किया। गंग्याल पुलिस स्टेशन के प्रभारी ने अपराधियों का पता लगाने के लिए विशेष टीमों का गठन किया जिसमें पुलिस उपनिरीक्षक अत्ता-उर-रहमान के नेतृत्व में एक समर्पित इकाई शामिल थी जिसे पुलिस आयुक्त मनप्रीत सिंह और विशेष पुलिस अधिकारी तरसेम लाल ने सहायता प्रदान की। टीम ने व्यापक क्षेत्र कार्य किया, अपराध के पैटर्न का विश्लेषण किया, तकनीकी जानकारी पर काम किया और चोरी के वाहनों को छिपाने के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कई संदिग्ध स्थानों की तलाशी ली। उनके निरंतर और व्यवस्थित प्रयासों के परिणामस्वरूप विभिन्न पुलिस थानों में चोरी के कई मामलों से जुड़ी 10 से ज्यादा मोटरसाइकिलें बरामद हुईं

ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़- एनसीबी 3 लोगों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर, 25 नवंबर (हि.स.)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) श्रीनगर ज़ोन ने बारामूला-पुलवामा क्षेत्र में सक्रिय एक मादक पदार्थ आपूर्ति मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इस दौरान 2,730 किलोग्राम चरस जब्त की गई और मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 20 नवंबर 2025 को विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए एनसीबी श्रीनगर की एक टीम ने बशीर अहमद मल्ला निवासी धोबीवान थाना कुंज़र, जिला बारामूला को रोका और उसके कब्जे से 2,730 किलोग्राम चरस बरामद की। बारामूला पुलिस यानी कुंज़र पुलिस स्टेशन की मदद से लगातार पूछताछ और त्वरित कार्रवाई के दौरान एनसीबी टीम ने उसके करीबी सहयोगी मंसूर अहमद वानी निवासी धोबीवान थाना कुंज़र, जिला बारामूला को गिरफ्तार कर लिया।

छह शहरों में ओएचटी और पाइप नेटवर्क को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के दिए निर्देश

कठुआ, 25 नवंबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने मंगलवार को जिले के छह शहरों में अमृत 2.0 जलापूर्ति योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की जिसमें प्रमुख बुनियादी ढाँचे के कार्यों में तेजी लाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

उपायुक्त को बताया गया कि अमृत 2.0 के तहत कठुआ जिला छह शहरों में कार्यों के एक व्यापक पैकेज को लागू कर रहा है जिसमें 14 ट्यूबवेल, 14 ओवर हेड टैंक (ओएचटी), 7 सम्प टेंक/आरएसएफपी और व्यापक पाइप नेटवर्क का निर्माण शामिल है जिससे कुल 22,930 नियोजित परिवारों को लाभ होगा। शहरवार, इन योजनाओं में कठुआ, नगरी, लखनपुर, हीरानगर, बसोहली और बिलावर में प्रमुख बुनियादी ढाँचे का विस्तार शामिल है और प्रत्येक शहर को शहरी जल आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नए टवेल, ओएचटी और वितरण प्रणालियों का संयोजन प्राप्त होगा। उपायुक्त ने पीएचई के कार्यकारी अभियंता को ओवर हेड टैंक के निर्माण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया और आगामी वितरण नेटवर्क को स्थिर करने के लिए इन्हें महत्वपूर्ण बताया।

राणा ने मनकोट में 80 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

मेंढर, 25 नवंबर (हि.स.)। पुंछ जिले के मेंढर उपखंड के मनकोट ब्लॉक के विकास को एक बड़ी गति प्रदान करते हुए जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने 80 करोड़ से अधिक मूल्य की विभिन्न बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मंत्री ने कहा कि सड़क संपर्क, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, सार्वजनिक उपयोगिताओं और खेल जैसे आवश्यक क्षेत्रों को कवर करने वाली ये परियोजनाएँ इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी। मंत्री ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के उन सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों में निरंतर और समावेशी विकास लाने के संकल्प को रेखांकित किया जो लंबे समय से बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

प्रमुख उद्घाटनों में जीएमएस मनकोट में सामुदायिक भवन का उन्नयन, खरीद और विद्युतीकरण शामिल था, मंत्री ने मनकोट गाँव में एक सामुदायिक सुविधा केंद्र की आधारशिला भी रखी। इसके अतिरिक्त, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और शैक्षणिक वातावरण में सुधार के लिए मिडिल स्कूल बरजा और प्राइमरी स्कूल मग्याद केनी में नए शैक्षणिक कक्षों के साथ-साथ मिडिल स्कूल नर छाजला में स्मार्ट कक्षाओं, वाचनालयों और पुस्तकालय के बुनियादी ढाँचे का भी शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही प्रमुख आरडीडी, पीडब्ल्यूडी और पीएमजीएसवाई सड़क और पुलिया कार्यों का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें डिफेंस रोड-गोरसियन लिंक, जियारत पोथी-मध्याद रोड, दुल्लैन-चैहान, जबरान-परत, नाकी मेरा-बेला छज्जला, बल्हार-मूरी, सरदारन-गुरुद्वारा, अपर नारूनी-चरण सिमकन और बलनोई में मेरा-डाकन वाला लिंक शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि 75 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास मनकोट ब्लॉक के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है जिससे सड़क संपर्क, सार्वजनिक सेवाओं, जल आपूर्ति प्रणालियों, शैक्षिक सुविधाओं और खेल बुनियादी ढांचे में दूरगामी सुधार का वादा किया गया है। उन्होंने कहा कि ये सभी पहल पुंछ के इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र में निरंतर, समावेशी और दूरदर्शी विकास की एक मजबूत नींव रखती हैं।

मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोगों की रोकथाम पर व्याख्यान आयोजित

कठुआ, 25 नवंबर (हि.स.)। समग्र कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और शारीरिक कल्याण पर एक व्यापक छह दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन जीडीसी मढ़हीन के शारीरिक शिक्षा विभाग, आईक्यूएसी और एसएचई बॉक्स कैश महिला प्रकोष्ठ ने मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोगों की रोकथाम पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य समुदाय में किशोरों और महिलाओं के बीच जागरूकता, सुरक्षित प्रथाओं और बेहतर कल्याण को बढ़ावा देना था। पूरा कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्य प्रो (डॉ.) अनुपमा गुप्ता के संरक्षण में आयोजित किया गया। औपचारिक स्वागत भाषण डॉ. शालू रानी ने दिया। इस अवसर पर डॉ. साहिल लंगेह सहायक प्रोफेसर सामुदायिक चिकित्सा विभाग, मेडिकल कॉलेज कठुआ ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अपने विस्तृत व्याख्यान में उन्होंने मासिक धर्म स्वच्छता को समझना और मासिक धर्म के दौरान इसका महत्व, सामान्य संक्रामक रोग, उनके संचरण के तरीके, सुरक्षित और स्वच्छ व्यवहार और रोकथाम की रणनीति, मासिक धर्म से संबंधित मिथकों और कलंक को तोड़ना और सैनिटरी उत्पादों और स्वच्छ सुविधाओं तक पहुंच को बढ़ावा देना जैसे विषयों पर चर्चा की जिसमें सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मढ़हीन, जीडीसी मढ़हीन के विद्यार्थियों और जीडीसी मढ़हीन के संकाय ने भाग लिया।

पुलिस ने 06 जुआरियों को दबोचा, 78700 रुपये की नकदी बरामद

कठुआ, 25 नवंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने सामाजिक अपराधों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए थाना राजबाग के अधिकार क्षेत्र में एक सफल छापेमारी की और सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत 06 जुआरियों पर कार्रवाई की। जनकारी के अनुसार धलोटी मोड़ पर अवैध जुआ गतिविधियों के बारे में एक विशेष सूचना मिलने के बाद थाना राजबाग के प्रभारी अजय सिंह चिब ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 06 लोगों को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान राकेश कुमार पुत्र दीवान चंद निवासी चड़वाल, सतपाल पुत्र नंद लाल निवासी हमीरपुर, रवि कुमार पुत्र हंस राज निवासी हीरानगर, सुशील सिंह पुत्र रामेश्वर सिंह निवासी अमाला, मुकेश शर्मा पुत्र अबुआ दित्ता निवासी हीरानगर और मंगत राम पुत्र तारा चंद निवासी बरनोटी के रूप में हुई है। जो जुआ गतिविधियों में लिप्त पाए गए। छानमारी के दौरान 78,700 की राशि, तीन ताश के पत्ते और अन्य जुआ सामग्री जब्त की गई। इस संबंध में सार्वजनिक जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत राजबाग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस अवैध जुआ और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। आम जनता से अपील की गई है कि वे जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ सहयोग करें और एक सुरक्षित और अपराध-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसी गतिविधियों की सूचना दें।

डीडीसी अध्यक्ष ने किसान मेले का किया उद्घाटन, आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान

कठुआ/बसोहली, 25 नवंबर (हि.स.)। कठुआ जिले के भूंड स्थित पर्यटक स्वागत केंद्र में मंगलवार को डीडीसी अध्यक्ष कठुआ सेवानिवृत्त कर्नल महान सिंह द्वारा एक दिवसीय किसान मेले का उद्घाटन किया गया जिसमें किसानों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, कारीगरों, युवाओं और स्थानीय निवासियों की एक प्रभावशाली उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में बसोहली के विधायक दर्शन कुमार, एडीसी बसोहली पंकज बगोत्रा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कठुआ जितेंद्र खजूरिया, प्रमुख केवीके कठुआ डॉ. विशाल महाजन, उप-विभागीय कृषि अधिकारी रवि चैहान, बीडीओ अजीत सिंह और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मेले में स्थानीय उपज, मूल्यवर्धित उत्पादों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों और हस्तशिल्प के स्टॉल लगाए गए थे, साथ ही कृषक समुदाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए थे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कर्नल महान सिंह ने किसानों से उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए तकनीकी प्रगति को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक तरीके समय की माँग हैं। किसानों को अपनी लाभप्रदता बढ़ाने के लिए उच्च घनत्व वाले वृक्षारोपण, संरक्षित खेती, मशरूम की खेती, फूलों की खेती, बाजरा और विविधीकरण जैसी नवीन पद्धतियों को अपनाना चाहिए। उन्होंने बागवानी, विशेष रूप से नींबू वर्गीय फलों की खेती को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया और उत्पादकों के लिए बेहतर लाभ सुनिश्चित करने हेतु शीत भंडारण सुविधाओं के विकास और बाजार संपर्कों के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। कर्नल सिंह ने आगे कहा कि ज्ञान और आधुनिक उपकरणों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने से संपूर्ण कृषि क्षेत्र का उत्थान होगा। विधायक बसोहली, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कठुआ और डॉ. विशाल महाजन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और किसानों को सतत विकास के लिए सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और नई तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बारामूला और पुलवामा में नारकोटिक्स सप्लाई मॉड्यूल का भंडाफोड़, 2.730 किलो चरस जब्त

श्रीनगर, 25 नवंबर (हि.स.)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बारामूला और पुलवामा में चल रहे एक सक्रिय नारकोटिक्स सप्लाई मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान 2.730 किलोग्राम चरस ज़ब्त करके तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें मुख्य सप्लायर भी शामिल है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि खास खुफिया जानकारी में बारामूला के कुंज़र इलाके में प्रतिबंधित सामान की मूवमेंट का संकेत मिला था। इस पर एनसीबी की एक टीम ने 20 नवंबर को धोबीवान निवासी बशीर अहमद मल्ला को रोका और उसके पास से 2.730 किलोग्राम चरस बरामद की। जांच के दौरान बशीर अहमद मल्ला के साथी मंसूर अहमद वानी को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों से लगातार पूछताछ के बाद पुलवामा से मुख्य सप्लायर अब्दुल राशिद डार को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी से जांच के दौरान नशे की खरीद, परिवहन और वितरण से जुड़ी पूरी ट्रैफिकिंग चेन का पता लगाने में मदद मिली। तीनों आरोपितों की एनडीपीएस एक्ट से जुडी आपराधिक पृष्ठभूमि है। मॉड्यूल को खत्म करने से एजेंसियों को कई आगे और पीछे के लिंकेज की पहचान करने में मदद मिली है। वित्तीय ट्रेल्स और संभावित अंतर राज्य कनेक्शन को सत्यापित करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

एसएमवीडीयू की कैडेट भूमिका शर्मा प्रतिष्ठित एनसीसी पैरा बेसिक कोर्स के लिए चयनित

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) की कैडेट भूमिका शर्मा ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्हें आर्मी एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल, आगरा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित एनसीसी पैरा बेसिक कोर्स के लिए चयनित किया गया है। भूमिका इस विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पूरे देश से चुने गए केवल 25 वरिष्ठ विंग कैडेटों में शामिल हैं।

एनसीसी पैरा बेसिक कोर्स एक उन्नत और चुनौतीपूर्ण एक महीने का प्रशिक्षण है, जिसे कैडेटों को हवाई संचालन की विशेष जानकारी और अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। इसमें गहन ग्राउंड ड्रिल, पैराशूट जंपिंग, शारीरिक एवं मानसिक सहनशक्ति की कड़ी परीक्षाएँ और अत्यधिक अनुशासन शामिल होता है। भारतीय सेना के एएटीएस द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों में साहस, नेतृत्व क्षमता और मजबूत मानसिकता विकसित करने पर केंद्रित है। कैडेट भूमिका शर्मा के चयन पर विश्वविद्यालय समुदाय में खुशी का माहौल है। डॉ. वरुण दत्ता, एनसीसी समन्वयक, और कीर्ति, प्रभारी एयर एनसीसी, एसएमवीडीयू ने उनकी निष्ठा, अनुशासन और निरंतर प्रयासों की सराहना की।

गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में इनोवेशन बूट कैंप और एग्ज़िबिशन आयोजित

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। कैनाल रोड स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के इंस्टीट्यूशन की इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन एज़ करियर अपॉर्चुनिटीज़ विषय पर एक इनोवेशन बूट कैंप-कम-एग्ज़िबिशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. ज्योति परिहार की देखरेख में संपन्न हुआ। डॉ. परिहार ने छात्रों को संबोधित करते हुए आधुनिक दौर की आवश्यकताओं को देखते हुए क्रिएटिविटी, क्रिटिकल थिंकिंग और एंटरप्रेन्योरियल माइंडसेट विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में मुखलिस अली असिस्टेंट डायरेक्टर, डीईएसीसी जम्मू और नवदीप कौर, करियर काउंसलिंग ऑफिसर, डीईएसीसी जम्मू उपस्थित रहे। मुखलिस अली ने छात्रों को सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्ट-अप कल्चर की अहमियत के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और जम्मू-कश्मीर में उपलब्ध यूथ स्टार्ट-अप लोन स्कीम सहित कई सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर छात्रों को नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। नवदीप कौर ने करियर विकल्पों, स्किल डेवलपमेंट, रोजगार की जरूरतों और सरकार द्वारा उपलब्ध काउंसलिंग सेवाओं के बारे में छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने व्यक्तिगत कौशल को नए अवसरों से जोड़ने तथा कैपेसिटी-बिल्डिंग की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। बूट कैंप के साथ-साथ कॉलेज की साइंस लैब में बायो-साइंसेज विभाग द्वारा एक इनोवेशन एग्ज़िबिशन भी आयोजित की गई।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक ने की नाइट्रोजन प्रदूषण पर हुई गहन चर्चा

जम्मू, 25 नवंबर (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने कुलपति प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर उत्तरी कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए) के समुद्री, पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान विभाग से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त वायुमंडलीय वैज्ञानिक प्रो. विनय अनेजा ने विशेष व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. ऋचा कोठारी के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने डीन स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज प्रो. सुनील धर तथा प्रो. दीपक पठानिया के साथ अतिथि वैज्ञानिक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रो. अनेजा ने क्या नाइट्रोजन अगला कार्बन है?- वायु की गुणवत्ता, जलवायु और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन तेजी से एक गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती बन रहा है, जो वायु गुणवत्ता, जलवायु प्रणालियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। वे विज्ञान के क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित सम्मानों जैसे फ्रैंक ए. चैम्बर्स पुरस्कार, नॉर्थ कैरोलाइना साइंस अवॉर्ड और आईआईटी कानपुर विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार, से सम्मानित हो चुके हैं।

संपादकीय

मानसर, सुरिनसर को इंसाफ मिलना चाहिए

कुल-देवताओं की पवित्र भूमि, मानसर-सुरिनसर, जहाँ लोग अपने कुल-देवताओं को नमन करने के लिए आते हैं और जम्मू डिवीज़न के पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी हैं, बेपरवाह अधिकारियों की लापरवाही का शिकार हो गए हैं।

एक तरफ तो सरकार के लोग अक्सर जम्मू इलाके में टूरिज्म को बढ़ावा देने की बात करते हैं, लेकिन दूसरी तरफ, मानसर और सुरिनसर जैसी खूबसूरत जगहों के प्रति उनका रवैया बेपरवाह और ढीला-ढाला है, जिसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन मशहूर पिकनिक स्पॉट तक जाने वाली सड़क खस्ताहाल है और संबंधित अधिकारी इसे ठीक करने की जल्दी में नहीं दिखते ताकि टूरिस्ट और श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके जो अपनी धार्मिक और टूरिज्म से जुड़ी इच्छाओं को पूरा करने के लिए इन जगहों पर आते हैं।

रिपोर्ट्स से पता चला है कि जम्मू में जुड़वां झीलों को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है और सरकारी लापरवाही का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इस साल जुलाई और अगस्त में बारिश के मौसम के बाद सिधरा से बजालता और ऐथम होते हुए इन जगहों को जोड़ने वाली मेन सड़क से ज़मीन और मिट्टी के धंसने को ठीक से साफ़ नहीं किया गया है।

यह दुख की बात है कि सड़क की खराब हालत की वजह से इस सड़क पर सफ़र करना खतरनाक और एडवेंचरस हो गया है। इस हालत ने जम्मू इलाके में टूरिज़्म को बढ़ावा देने के लिए एक्टिव रहने के बड़े-बड़े दावों की पोल खोल दी है। मानसर तक कई जगहों पर सड़क की सतह टूट गई है और दर्जनों जगहों पर सड़क धंस गई है।

एक नई और बढ़ती चिंता इन झीलों के आस-पास बेसिक मेंटेनेंस और सफ़ाई में साफ़ कमी है, जो कभी इस इलाके के कल्चरल गर्व को दिखाती थी। कूड़े से भरे रास्ते, बिना देखरेख वाली पब्लिक सुविधाएं, और रेगुलर मेंटेनेंस की कमी ने इन पवित्र जगहों की कुदरती खूबसूरती को खराब करना शुरू कर दिया है। लोकल लोगों के साथ-साथ बार-बार आने वाले टूरिस्ट भी सफाई के गिरते स्टैंडर्ड पर नाराज़ हैं, जिससे न सिर्फ़ टूरिस्ट निराश होते हैं, बल्कि जम्मू के लोगों के लिए बहुत ज़्यादा पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व रखने वाली जुड़वां झीलों के इकोलॉजिकल बैलेंस को भी नुकसान पहुँचता है।

सुरिनसर में भी, झील के किनारे की सड़क खराब हो गई है। सड़क पर इस्तेमाल की गई टाइलें सड़क की असली सतह से नीचे उतर गई हैं। इसका कुछ हिस्सा पिछले दो साल से ज़्यादा समय से धंस रहा है, लेकिन न तो टूरिज़्म डिपार्टमेंट और न ही R&B अधिकारियों ने इस मामले पर ध्यान दिया है। अधिकारियों की इस तरह की बेपरवाही को देखते हुए, जम्मू प्रांत में टूरिज़्म सेक्टर के भविष्य का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। क्योंकि संबंधित विभाग इन मशहूर टूरिस्ट जगहों को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर रहे हैं, जो छ्व×च की विंटर कैपिटल से 50 किलोमीटर से ज़्यादा दूर नहीं हैं, तो कोई भी उन टूरिस्ट जगहों की हालत और केंद्र शासित प्रदेश के इस हिस्से में टूरिज़्म सेक्टर के भविष्य का अंदाज़ा लगा सकता है जो जम्मू से अच्छी दूरी पर हैं। यह सही समय है कि सरकार के लोग सही कदम उठाएं और यह पक्का करें कि टूरिस्ट जगहों तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत हो, साथ ही विज़िटर्स की सुविधा के लिए दूसरी सुविधाएं भी पक्की हों, क्योंकि किसी भी जगह पर टूरिस्ट को लुभाने के लिए यह एक ज़रूरी शर्त है।

भारतीय श्रमिकों का सशक्तिकरण- समावेशी श्रम संहिता सुधारों पर ट्रेड यूनियन दृष्टिकोण

गिरीश आर्य

विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब देश के मेहनती कामगारों को पूर्ण सम्मान मिले और उनकी सुरक्षा मजबूत हो। कामगारों और उद्योगों के बीच एक मजबूत और भरोसेमंद रिश्ता ही देश की अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाता है और उसे रफ्तार देता है।

लंबे समय से चली आ रही पुरानी व्यवस्थाओं की सीमाओं और विसंगतियों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है। सरकारी आँकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का अनुपात ऐतिहासिक रूप से अपेक्षा से कहीं कम रहा है, जिसके कारण भारत की उत्पादन क्षमता और औद्योगिक विस्तार की वास्तविक संभावनाएँ पूरी तरह विकसित नहीं हो सकीं हैं। ऐसे परिप्रेक्ष्य में, पुराने श्रम कानूनों की जटिलताओं एवं भिन्न-भिन्न प्रावधानों को दूर करने के लिए व्यापक और संरचनात्मक सुधार समय की माँग बन चुके थे।

एक उत्तरदायी श्रमिक संगठन के रूप में हमारा मानना है कि नई श्रम संहिताएं श्रमिकों के हितों को मजबूत करने, अधिक अवसर प्रदान करने और सुरक्षित-सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। भारतीय मज़दूर संघ (बी.एम.एस) त्रिपक्षीय (उद्योग, सरकार और श्रमिक) वार्तालाप के महत्व पर बल देता है, हमारा मानना है कि देश की उन्नति में श्रमिकों के साथ-साथ उद्योग भी एक वृहद हितधारक तथा महत्वपूर्ण घटक है। श्रम कानूनों पर त्रिपक्षीय वार्ता, 2015 से चली आ रही है। समस्त केंद्रीय श्रम संगठन इसका हिस्सा रहे हैं द्य बी.एम.एस की औद्योगिक परिवार की संकल्पना रही है और हम मानते हैं कि उद्योग और श्रमिक एक दूसरे के पूरक हैं और दोनों के हित समाश्रित हैं द्य उद्योगों के संगठन भी इन वार्ताओं का हिस्सा रहे हैं और इन श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का प्रभाव उन पर भी समान रूप से होगा द्य

इन संहिताओं में अधिकांश प्रावधान श्रमिक हितैषी हैं। ये प्रावधान देश की उत्पादकता बढ़ाने, रोजगार सृजन में तेजी लाने और सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तार करने में सहायक सिद्ध होंगे। अन्य ट्रेड यूनियनों द्वारा की जा रही हड़ताल और विरोध पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। हम सरकार के इस सुधारात्मक कदम और इन संहिताओं की सराहना करते हैं

'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के लिए उद्योग, श्रमिक और सरकार, तीनों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। हमारा विश्वास है कि इनका प्रभाव भारत की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और श्रमिक कल्याण के लिए अत्यंत लाभकारी एवं सकारात्मक सिद्ध होगा।

सरकार ने 29 पुराने केंद्रीय श्रम कानूनों को मिलाकर चार नई और सरल संहिताओं (Codes) में बदल दिया है - 1) वेतन संहिता (2019)

2) सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020)

3) व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता (2020)

4) औद्योगिक संबंध संहिता (2020)।

यह भारतीय इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा श्रम सुधार है। यह ऐतिहासिक कदम अंग्रेजों के जमाने के पुराने कानूनों को छोड़कर, आज के दौर के आधुनिक कानूनों को अपनाने का एक गौरवशाली पल है।

भारत सरकार का इन सुधारों को लागू करना एक बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय निर्णय है, जिसके लिए पूरा देश नेतृत्व का धन्यवाद करता है। अब जब ये कानून पूरे देश में लागू हो चुके हैं, तो यह मजदूरों और कामगारों के लिए एक सुनहरे दौर की शुरुआत है।

इन संहिताओं के लागू होने से यह पक्का होगा कि हर श्रमिक को सुरक्षा, सम्मान और न्याय सरलता से प्राप्त होगा। इससे देश का विकास और मजबूत होगा। यह बदलाव आत्मनिर्भर भारत की भावना को नई ताकत देता है और देश को अपने श्रमिकों की मेहनत के दम पर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी देता है। दुनिया भर के उदाहरण यह बताते हैं कि जब मजदूरों के हित में अच्छे सुधार होते हैं, तो उससे उत्पादन बढ़ता है, निवेश आता है और सबका विकास होता है।

आज जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है, भारत उन्नति के एक विशिष्ट सुखद मोड़ पर खड़ा है। नई श्रम संहिताओं का लागू होना आज के बाजार की आवश्यकतानुसार उठाया गया एक उचित कदम है। यह विश्वास दिलाता है कि देश का आर्थिक विकास मजदूरों के अधिकारों और सुरक्षा के साथ तालमेल बनाकर आगे बढ़ेगा। ये सरल एवं साफ-सुथरे कानून निवेश को बढ़ाएंगे, रोजगार के बहुत सारे नए अवसर बनाएंगे और कामगारों के सम्मान को सबसे ऊपर रखेंगे।

असंगठित से संगठित की ओर- समावेशी सुधारों के माध्यम से औपचारीकरण और सामाजिक न्याय

इन संहिताओं को जल्दी लागू करने का फैसला भारत की युवा आबादी और श्रम जगत की आवश्यकतानुसार है। हमारे देश में काम करने वाले लोगों का एक बहुत बड़ा हिस्सा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता है। चाहे वे निर्माण मजदूर हों, गिग श्रमिक हों या रेहड़ी-पटरी वाले हों या दूसरे राज्यों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर, अब ये सभी कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ गए हैं। भारत का संविधान हर किसी को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है, और ये नवीन कानून उस संवैधानिक सपने को सच करने का एक माध्यम हैं।

इन संहिताओं की सोच दूरगामी है। ये सिर्फ बड़ी कंपनियों (संगठित क्षेत्र) तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर एक मजदूर को अधिकार देते हैं। सही वेतन, समय पर भुगतान और सामाजिक सुरक्षा (जैसे पेंशन, बीमा) को एक ही नियम के तहत लाकर, ये संहिताएं यह सुनिश्चित करती हैं कि देश की उन्नति में मजदूरों को भी बराबर का हिस्सा मिले। जब हर मजदूर के सम्मान की रक्षा होगी, तभी देश की कमाई का फायदा सभी को सही तरीके से मिल पाएगा।

संहिताओं में निहित प्रमुख श्रमिक-केंद्रित प्रावधान

इन संहिताओं की असली ताकत इनके बदलाव लाने वाले नियमों में है, जो भारतीय श्रम कानूनों को विश्व भर के बेहतरीन मानकों के बराबर खड़ा करते हैं।

सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020)

यह संहिता सबको साथ लेकर चलने के मामले में एक बड़ी कामयाबी है। यह गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स (जैसे ऑनलाइन डिलीवरी करने वाले या एप आधारित टैक्सी ड्राइवर) को पहली बार कानूनी तौर पर सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाती है। यह संहिता कंपनियों एग्रीगेटर्स से योगदान अंशदान लेने की व्यवस्था करती है, जिससे इन गिग वर्कर्स के लिए एक सामाजिक सुरक्षा फंड बन सकेगा। डिजिटल दुनिया में काम कर रहे युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की यह एक समझदारी भरी पहल है। यह मानती है कि काम करने के तरीके बदल रहे हैं और यह निश्चित करती है कि तकनीक के सहारे काम करने वालों को बुनियादी सुरक्षा जरूर मिले। यह संहिता 40 करोड़ से अधिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवच की गारंटी सुनिश्चित करती है और असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों के लिए एक विशेष सामाजिक सुरक्षा कोष का निर्माण अनिवार्य करती है। यह कोष उनके स्वास्थ्य लाभ, पेंशन और आपातकालीन सहायता के लिए काम करेगा।व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता (2020)

यह संहिता हर मजदूर के लिए काम करने की जगह को सुरक्षित और सेहतमंद बनाना सुनिश्चित करती है। विशेष रूप से, जोखिम वाले क्षेत्रों में 100व स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी दी गई है। तय श्रेणियों के मजदूरों, खासकर 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए, साल में एक बार मुफ्त स्वास्थ्य जांच का अधिकार मिलेगा, जिससे कार्यस्थल पर सेहत का ध्यान रखने का एक नियम बन जाएगा। दूसरे राज्यों में जाकर काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए इसमें खास सुरक्षा है- जैसे घर जाने के लिए यात्रा भत्ता, और एक देश, एक राशन कार्ड की तरह ही पोर्टेबिलिटी की सुविधा। इसका मतलब है कि प्रवासी मजदूर अब बेसहारा नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें ऐसे अधिकार मिलेंगे जो वे अपने साथ कहीं भी ले जा सकते हैं। लाभों की पोर्टेबिलिटी यह सुनिश्चित करती है कि मजदूर देश के किसी भी कोने में अपने अधिकारों का फायदा उठा सकें। साथ ही, यह सुनिश्चित करना कि महिलाएं पूरी सुरक्षा के साथ किसी भी उद्योग में, किसी भी शिफ्ट (पाली) में काम कर सकती हैं, उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का मार्ग खोलती है।

(अखिल भारतीय सचिव, भारतीय मजदूर संघ, बीएमएस)

धर्मेंद्र- वह सूरज, जो ढल कर भी पीढ़ियों को रोशन करता रहेगा

- योगेश कुमार गोयल

हिन्दी फिल्म उद्योग का वह चमकता सूरज, जिसने पीढ़ियों के सपनों को रोशन किया, जिसने कठिनाई में हिम्मत दी और जिसने अपने सहज व्यक्तित्व से अभिनय को जन-जन के जीवन से जोड़ दिया, वह धर्मेंद्र हमसे सदा के लिए विदा हो गए। यह क्षति केवल एक परिवार, एक पीढ़ी या एक उद्योग की नहीं बल्कि उस युग की विदाई है, जिसने भारतीय सिनेमा को स्वर्णकाल दिया। धर्मेंद्र सिर्फ अभिनेता नहीं थे, वे एक भावनात्मक धड़कन, एक सांस्कृतिक अनुभूति और करोड़ों भारतीयों की यादों में दर्ज वह ताकत थे, जो पर्दे पर आते ही कहानी को सजीव बना देती थी।

पंजाब के साहनेवाल गांव में 8 दिसंबर 1935 को जन्मा यह बालक शायद स्वयं भी नहीं जानता था कि एक दिन उसका नाम भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमिट अक्षरों में दर्ज होने वाला है। गांव की मिट्टी, खेती की महक और सादगी से भरे जीवन ने उन्हें वह सहजता दी, जो आगे चलकर उनके अभिनय की सबसे बड़ी ताकत बनी। उनके भीतर का कलाकार किसी कोने में सोया हुआ था पर दिल में एक स्वप्न जलता था कुछ कर दिखाने का, कुछ बनने का, कुछ ऐसा छोड़ जाने का जिसे पीढ़ियां याद रखें।

साल 1954 में जब मात्र 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने प्रकाश कौर से विवाह किया, उस समय उन्हें यह कल्पना भी नहीं थी कि दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग एक दिन उनके कदमों में होगा। जीवन संघर्षों से भरा था पर भीतर ऐसी ईमानदारी और अनुशासन था, जो किसी भी कलाकार को महान बना देता है। भाग्य ने उन्हें साल 1960 में वह क्षण दिया, जब निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी ने उन्हें फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' में मौका दिया। मेहनताना सिर्फ 51 रुपये, पर इस मामूली रकम ने भारतीय फिल्मों को वह धरोहर दी, जिसकी कीमत किसी मुद्रा में आंकी नहीं जा सकती। यह शुरुआत थी पर यात्रा लंबी और संघर्षपूर्ण होने वाली थी।

शुरुआत में उन्होंने साधारण, आम आदमी के किरदार निभाए, अनपढ़, बंदिनी, अनुपमा, आया सावन झूम के- इन फिल्मों में उनकी मासूमियत, उनकी आंखों की भाषा और उनके संवादों की सरलता इतनी वास्तविक थी कि दर्शकों को लगा, वे किसी काल्पनिक नायक को नहीं बल्कि अपने जैसे इंसान को पर्दे पर देख रहे हों। धर्मेंद्र में किसी तरह का दिखावा नहीं था, वे अभिनय नहीं करते थे, वे जीते थे। शायद यही कारण था कि जनता ने उन्हें अभिनेता नहीं, अपने दिल का हिस्सा मान लिया।

साल 1960 के दशक के अंत में जब हिन्दी सिनेमा बड़े परिवर्तन की ओर बढ़ रहा था, धर्मेंद्र ने उसी दौर में अपने भीतर छिपे 'ही-मैन' को पहचाना। वे एक्शन फिल्मों के सबसे बड़े सितारे बने पर इस चमक के साथ भी उनकी विनम्रता कभी नहीं बदली। फूल और पत्थर, आई मिलन की बेला, आए दिन बहार के, इन फिल्मों ने उन्हें रातों-रात स्टार बनाया, पर असल चमत्कार अभी बाकी था। जब साल 1975 में शोले आई तो धर्मेंद्र का 'वीरू' सिर्फ एक किरदार नहीं रहा, वह भारतीय संस्कृति का प्रतीक बन गया। वीरू की दोस्ती, उसका हास्य, उसका गुस्सा, उसका प्रेम, धर्मेंद्र की सहज अदाकारी ने उसे अमर कर दिया।

उनका प्रतिभा-क्षेत्र केवल एक्शन और रोमांस तक सीमित नहीं था। चुपके-चुपके जैसी फिल्में, जो हिंदी सिनेमा में हास्य की उत्कृष्ट कृति मानी जाती हैं, यह सिद्ध करती हैं कि धर्मेंद्र का अभिनय केवल मांसपेशियों नहीं बल्कि दिमाग, दिल और संवेदना से भी जन्म लेता था।

वे जितने सशक्त एक्शन हीरो थे, उतने ही बेहतरीन कॉमेडियन और उतने ही भावपूर्ण रोमांटिक कलाकार थे।

दिलचस्प बात यह है कि धर्मेंद्र ने तीन पीढ़ियों का मनोरंजन किया। जहां वे बलराज साहनी, राज कपूर, संजीव कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ काम कर चुके थे, वहीं वे रणवीर सिंह, शाहिद कपूर और आलिया भट्ट जैसे आज के सितारों के साथ भी पर्दे पर दिखे। 65 साल का करियर किसी कलाकार को किंवदंती बना देता है पर धर्मेंद्र की निरंतर सक्रियता उन्हें उससे भी कहीं ऊपर ले जाती है। वह एक जीवित विश्वविद्यालय थे अभिनय का, सहजता का, विनम्रता का। अपने परिवार के प्रति उनका प्रेम भी असाधारण था। सनी देओल और बॉबी देओल के प्रति उनका भावनात्मक रिश्ता, हेमा मालिनी के साथ उनके जीवन का अध्याय, उनकी बेटियां ईशा और अहाना, उनकी व्यक्तिगत कहानी किसी उपन्यास से कम नहीं। 13 नाती-पोते, बड़ी विरासत, जीवन के आखिरी दिन उन्होंने अपने फार्म हाउस में बिताई।

लाखों लोगों द्वारा पूजा जाने वाला यह कलाकार अंत में लौट गया अपने मूल की ओर, धरती, सादगी, प्रकृति। साल 2025 में उनकी आंख की कॉर्निया ट्रांसप्लांट सर्जरी हुई थी। कमजोर होते शरीर, टूटती ताकत, उम्र की थकान, इन सबके बावजूद वह कैमरे से दूर नहीं हुए। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी नई पीढ़ी की फिल्मों में भी उनका वही पुराना करिश्मा दिखा, वही मुस्कान, वही गर्मजोशी।

किसी भी महान कलाकार की पहचान यही होती है कि समय बदल जाए पर उसकी चमक न बदले, धर्मेंद्र इस कसौटी पर हमेशा खरे उतरे।

31 अक्टूबर 2025 को जब उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया तो पूरे देश की धड़कनें मानो थम गईं। 12 नवंबर को जब उन्हें घर भेजा गया तो उम्मीदों की किरण जग उठी थी। वे अपने घर में इलाज के बीच जीवन जी रहे थे पर नियति ने शायद फैसला कर लिया था। 24 नवंबर को वह खबर आई, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया 'भारतीय सिनेमा का 'ही-मैन' अब हमारे बीच नहीं है।' लाखों लोगों ने रोकर उन्हें याद किया। फिल्मी दुनिया, राजनीति, खेल, साहित्य, हर क्षेत्र से श्रद्धांजलि की बाढ़ आ गई। सोशल मीडिया पर उनके संवाद, उनके वीडियो, उनकी पुरानी तस्वीरें उमड़ पड़ीं। प्रधानमंत्री से लेकर सामान्य नागरिक तक, हर किसी ने स्वीकार किया कि धर्मेंद्र का जाना एक युग का अंत है।

क्या महान लोग वास्तव में मर जाते हैं? शायद नहीं। धर्मेंद्र केवल चले गए हैं पर वे रहेंगे हर उस दिल में, जिसने कभी उनकी फिल्म देखी हो। धर्मेंद्र वह अध्याय हैं, जिसे समय कभी बंद नहीं कर सकेगा। उनकी फिल्में, उनका व्यक्तित्व, उनका विनम्र स्वभाव और उनका अटूट मानवीयपन सिनेमा के इतिहास में अमर रहेगा। वह जमीन से उठकर आकाश तक पहुंचने की वह कहानी हैं, जिसे हर माता-पिता अपने बच्चे को सुनाता रहेगा। हम, उनके चाहने वाले, उनकी फिल्मों, उनकी यादों और उनके संवादों में उन्हें सदा जीवित रखेंगे। सदाबहार, अद्वितीय, विलक्षण अभिनेता धर्मेंद्र को

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्मृति शेष: धर्मेंद्र के साथ एक युग की विदाई

- डॉ. सत्यवान सौरभ

हिंदी सिनेमा ने अपने लंबे सफर में कई सितारों को जन्म दिया पर उनमें कुछ ऐसे हैं जिनकी रोशनी समय के साथ कम नहीं होती बल्कि हर पीढ़ी की आँखों में एक नई चमक लेकर जीवित रहती है। धर्मेंद्र उन्हीं दुर्लभ सितारों में से थे, जो सिर्फ अभिनेता नहीं बल्कि भारतीय समाज के भावनात्मक ताने-बाने का हिस्सा बन चुके थे। उनका जाना एक ऐसी खामोशी छोड़ गया है, जिसे शब्दों में बाँध पाना मुश्किल है। वे सिर्फ पर्दे पर दिखने वाली एक छवि नहीं थे; वे ऐसे इंसान थे, जिनकी गर्माहट और विनम्रता ने दर्शकों को अपने परिवारों के किसी सदस्य की तरह उनसे जोड़ दिया था।

धर्मेंद्र की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली से शुरू हुई यह यात्रा संघर्ष, मेहनत और सपनों की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मा लड़का जब फिल्मों की दुनिया की चमक-दमक में पहुंचता है, तो आमतौर पर व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो बैठता है लेकिन धर्मेंद्र ऐसे नहीं थे। उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। वही सादगी, वही देसीपन, वही अपनापन उनकी हर मुस्कान में दिखाई देता था। यही कारण है कि वे सिर्फ 'स्टार' नहीं बने, वे 'दिलों का हीरो' बने।

1960 के दशक में जब उन्होंने सिनेमा के परदे पर कदम रखा, तब दर्शकों ने यह अंदाज़ा नहीं लगाया होगा कि यह युवक अगले कई दशकों तक हिंदी फिल्मों का सबसे प्रिय चेहरा बनने वाला है। शुरुआत भले धीमी रही हो, पर उनकी आँखों में मौजूद मासूमियत और व्यक्तित्व में छिपा गहरा आत्मविश्वास बहुत जल्द ही लोगों के दिलों तक पहुँच गया। उनकी शुरुआती फिल्मों ने यह दिखाया कि उनमें संवाद की सरलता, भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति और अपने किरदार के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण जैसी विशिष्ट खूबियाँ हैं।

समय के साथ धर्मेंद्र ने दिखाया कि वे सिर्फ एक रोमांटिक हीरो नहीं बल्कि हर शैली में फिट बैठने वाले अभिनेता हैं। उन्होंने अभिनय के हर रंग को जीया- रोमांस की कोमलता, कॉमेडी की सहजता, एक्शन की तीव्रता और भावुक दृश्यों की गहराई। अनुपमा और अनपढ़ में उनकी रोमांटिक छवि दर्शकों का दिल चुरा लेती थी तो मेरा गांव मेरा देश और शोले में उनका एक्शन नुमा अंदाज़ उन्हें 'ही-मान' की उपाधि दिलाता था। यह उपाधि किसी फैशन के कारण नहीं बल्कि उनके स्वाभाविक दृढ़ व्यक्तित्व का प्रमाण थी।

शोले का वीरू भारतीय सिनेमा के इतिहास का वह चरित्र है, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं। वीरू की मस्ती, दोस्ती, बेफिक्री और दिल की गहराई ने इस किरदार को अमर बना दिया। धर्मेंद्र कोई भूमिका निभाते नहीं थे, वे उसे जीते थे। यही कारण है कि वीरू आज भी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान ला देता है। लेकिन धर्मेंद्र का जादू सिर्फ वीरू तक सीमित नहीं था। चुपके चुपके में उनकी गंभीर-स्वभाव वाली कॉमेडी यह साबित करती है कि हास्य अभिनय हमेशा उछल-कूद या अतिरंजना से नहीं आता; वह शालीनता और समयबद्ध संवादों से भी पैदा हो सकता है। धर्मेंद्र इस बात का जीता-जागता उदाहरण थे।

उनके अभिनय का आधार हमेशा 'सच्चाई' रहा। वे अभिनय नहीं करते थे, वे सत्य को अभिव्यक्त करते थे। यह सत्य कभी प्रेम की कोमलता के रूप में जागता था, कभी संघर्ष की तल्ख़ी के रूप में। आज के समय में जब अभिनय तकनीक और बाहरी सजावट पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, धर्मेंद्र हमें याद दिलाते हैं कि अभिनय का सबसे बड़ा केंद्र 'दिल' होता है। यही वह विशेषता है, जिसने उनकी फिल्मों को समय की सीमाओं से मुक्त कर दिया।

धर्मेंद्र की एक और महानता थी- जमीन से उनका जुड़ाव। उन्होंने कभी खुद को महान या बड़ा साबित करने की कोशिश नहीं की। सैकड़ों फिल्मों की सफलता, लाखों प्रशंसक और दशकों की लोकप्रियता के बाद भी वे साधारण ग्रामीण की तरह बात करते थे। उनकी विनम्रता किसी बनावटी विनम्रता का परिणाम नहीं थी; वह उनके स्वभाव का हिस्सा थी। यही कारण है कि वे उद्योग के भीतर और बाहर-दोनों जगह समान आदर के पात्र बने रहे।

धर्मेंद्र ने अपनी निजी और राजनीतिक जिंदगी में भी अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा। वे वर्ष 2004 में लोकसभा के लिए चुने गए और अपने तरीके से जनता की सेवा की। हालाँकि वे राजनीति में गहराई से सक्रिय नहीं रहे लेकिन यह साफ समझ आता है कि वे समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को समझते थे। उनका चरित्र उतना ही सीधा और स्पष्ट था जितना उनका अभिनय।

उनकी जीवनशैली की सादगी ने भी लोगों को हमेशा प्रभावित किया। मुंबई की भीड़भाड़ से दूर उनका फार्म हाउस, धरती पर काम करना, खेतों को सींचना, पशुओं के साथ समय बिताना- ये सब उनकी आत्मा को सुकून देते थे। यह उस अभिनेता की तस्वीर है जो चमकते पर्दे से परे, असली जिंदगी में प्रकृति की गोद में अपने आप को पूरा महसूस करता था। यह गुण किसी अभिनेता में शायद ही देखने मिलता हो।

उनका योगदान सिर्फ उनके समय तक सीमित नहीं। आज की पीढ़ी भी धर्मेंद्र की फिल्मों में वही ताजगी, वही मानवीय संवेदना और वही संवाद शक्ति महसूस करती है, जो 40-50 साल पहले दर्शक महसूस करते थे। यह बहुत कम कलाकारों के हिस्से आता है कि उनकी फिल्मों की ताकत पीढ़ियों की सीमाएँ लांघ जाए। धर्मेंद्र यह विरासत अपने साथ लेकर नहीं गए; वे इसे समाज में छोड़ गए हैं।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं तो उनके चेहरे की वह सहज मुस्कान तुरंत आँखों के सामने आ जाती है। ऐसा लगता है जैसे वह अभी भी किसी दृश्य की तैयारी कर रहे हों या किसी इंटरव्यू में अपनी प्रसिद्ध विनम्रता के साथ कह रहे हों- अरे, मैं कौन-सा बड़ा कलाकार हूँ, बस अपनी कोशिश करता हूँ। उनकी यह बात ही उन्हें बड़ा बनाती थी।

धर्मेंद्र का जाना भारतीय सिनेमा के लिए सिर्फ एक कलाकार की विदाई नहीं; यह एक युग का अवसान है। वह युग जिसमें सादगी, भावनाएँ और मानवीयता अभिनय की रीढ़ हुआ करती थीं। वह दौर जब सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि समाज, परिवार और रिश्तों का आईना होता था। धर्मेंद्र उस आईने की सबसे चमकदार किरण थे। हर महान कलाकार की तरह धर्मेंद्र भी यह सिद्ध करके गए हैं कि शरीर भले चला जाए, कला कभी नहीं जाती। उनकी आवाज़, उनकी हँसी, उनकी आँखों की चमक, उनकी फिल्मों के दृश्य- यह सब कहीं न कहीं हमारे भीतर जीते रहेंगे। वह इसलिए नहीं कि उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया बल्कि इसलिए कि उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। सिनेमा की असली शक्ति यही है- जब दर्शक अभिनेता को सिर्फ अभिनेता न मानकर परिवार का हिस्सा मानने लगे।

आज, जब हम श्रद्धांजलि देते हुए यह पंक्ति याद करते हैं- अभी न जाओ छोड़ केज- तो यह सिर्फ एक गीत की पंक्ति नहीं रह जाती। यह एक युग की पुकार जैसी लगती है। लेकिन महान कलाकार कभी सचमुच नहीं जाते। धर्मेंद्र भी नहीं गए। वे हमारे गीतों में हैं, संवादों में हैं, फिल्मों में हैं और सबसे बढ़कर हमारे दिलों में हैं। भारतीय सिनेमा के उस 'ही-मान' को शत-शत नमन, जिसकी सादगी ने हमें इंसान होना सिखाया और जिसकी मुस्कान ने पीढ़ियों को जीवन की सुंदरता का एहसास कराया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा महिला कबड्डी वर्ल्ड कप जीता

एजेंसी

ढाका। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ढाका में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला कबड्डी वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 से मात देकर लगातार दूसरा वर्ल्ड कप जीत लिया। इस जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कबड्डी में भारत की बादशाहत कायम है। हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने टीम की सराहना करते हुए कहा, 'महिला टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जिस पर पूरा देश गर्व कर सकता है। उनका आत्मविश्वास और टीमवर्क अद्भुत रहा। एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी होने के नाते मैं जानता हूं कि इस स्तर तक पहुंचना कितना कठिन है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ढेरों बधाइयाँ।' भारत ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया। टीम ने अपने सभी ग्रुप मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसने ईरान को 33-21 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी ओर, चीनी ताइपे ने भी ग्रुप चरण में बेहतरीन खेल दिखाया और सेमीफाइनल में मेज़बान बांग्लादेश को 25-18 से मात दी।

गुवाहाटी टेस्टः यानसन की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन मजबूत बढ़त बनाई

गुवाहाटी। मार्को यानसन के करियर-सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ने गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को भारत पर मज़बूत पकड़ दिला दी। पहले बल्ले से तेज़तर्रार अर्धशतक और फिर गेंद से 6/48 की घातक स्पेल डालते हुए यानसन ने भारत की पारी को 201 पर समेट दिया। टीम इंडिया ने 27 रन के भीतर 6 विकेट गंवाए और बुरी तरह लड़खड़ा गई। दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 26 रन बना लिए और कुल 314 रनों की भारी बढ़त हासिल कर ली। 6/0 से आगे खेलते हुए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने संभलकर शुरुआत की। दोनों ने पहले घंटे में आधी सदी की साझेदारी की। जायसवाल ने लगातार चौके जमाए जबकि राहुल ने स्थिरता दिखाई। लेकिन 65 रन की साझेदारी के बाद राहुल महाराज की गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे। जायसवाल ने पचासा पूरा किया मगर जल्द ही हार्मर की गेंद पर 58 रन बनाकर आउट हो गए। साई सुदर्शन भी शानदार कैच के चलते पवेलियन लौटे। ऋषभ पंत ने एक छक्का जड़ा, लेकिन जल्द ही जुरेल और पंत दोनों आउट हो गए। लंच तक भारत की स्थिति 102/4 से बिगड़कर 122/7 हो गई।

इन खिलाड़ियों को मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद, पहली मेगा नीलामी में 277 प्लेयर्स लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली : लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (WPL) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज कर दिया था। अगर क्रांति और चरणी जैसी युवा खिलाड़ी धनराशि के मामले में दीप्ति की बराबरी कर ले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। इन दोनों ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके प्रभावित किया था। हरलीन देओल, रेणुका सिंह और स्नेह राणा भी नीलामी का हिस्सा हैं। जिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर दांव लगने के संभावना है उनमें ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की प्रमुख स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन, न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, उनकी हमवतन अमेलिया केर और दक्षिण अफ्रीकी कप्तान वोलवार्ट शामिल हैं।

सुंदर ने भारत की खराब बल्लेबाजी के बीच पिच पर दिया बयान, आसानी से बनाए जा सकते हैं रन

गुवाहाटी : भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने कहा है कि गुवाहाटी की पिच अभी भी बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी है, और अगर इस पर टिक कर बल्लेबाजी की जाए तो आसानी से रन बनाए जा सकते हैं। हालांकि गुवाहाटी टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन इसके बिल्कुल उलट और निराशाजनक रहा। दक्षिण अफ्रीका के 489 रन के जवाब में भारत सिर्फ़ 201 रन बनाकर आउट हो गया। बल्लेबाजी में 93 रनों की बेहतरीन पारी खेलने वाले मार्कर यानसन ने गेंदबाजी में सबसे अधिक छह विकेट लिए और उनकी शॉर्ट गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी तरह से घुटने टेक दिए। यानसन ने अपने छह विकेटों में से चार विकेट शॉर्ट गेंदों से हासिल किए। जहां तक गेंद-दर-गेंद का आंकड़ा उपलब्ध है, उसके अनुसार किसी भी विदेशी तेज गेंदबाज ने भारत की धरती पर एक पारी में शॉर्ट गेंदों से इतने विकेट नहीं लिए हैं।

फीफा अंडर-17 विश्व कप में ब्राजील को हराकर फाइनल में पहुंचा पुर्तगाल, ऑस्ट्रिया से होगी खिताबी भिड़ंत

एजेंसी

दोहा। फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप में इस बार एक नया चैंपियन मिलेगा। खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया ने इतिहास रचते हुए पहली बार फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने ब्राज़ील को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से हराया, जबकि ऑस्ट्रिया ने इटली को 2-0 से मात दी।

ऑस्ट्रिया की शानदार उछाल जारी- अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में ऑस्ट्रिया का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। जहां सीनियर पुरुष टीम ने 28 साल बाद फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, वहीं अब अंडर-17 टीम ने अपनी धमाकेदार लय बरकरार रखते हुए फाइनल में प्रवेश किया। टीम के स्टार स्ट्राइकर जोहान्स मोज़र ने दोनों गोल दागे। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर मोज़र (7 मैच में 8 गोल), ने 57वें मिनट में

पहला गोल किया और इंजरी टाइम में शानदार फ्री-किक पर दूसरा गोल दागा।

पुर्तगाल बनाम ब्राज़ीलः कड़ा संघर्ष- दूसरा सेमीफाइनल पुर्तगाल और ब्राज़ील के बीच बेहद टक्कर वाला रहा। पूरे मैच में सिर्फ चार शॉट टारगेट पर लगे और कुल 35 फाउल हुए।

चार खिताब जीतकर टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड बनाने वाला ब्राज़ील शुरुआती बढ़त की तलाश में था। टीम के उभरते सितारे डेल ने गोल के कई प्रयास किए, लेकिन पुर्तगाल के गोलकीपर रोमारीओ कुन्हा ने उन्हें बार-बार रोका।

ड्रामाई पेनल्टी शूटआउट

पहले चार-पहले चार पेनल्टी दोनों टीमों ने सफलतापूर्वक बदलीं। पांचवीं पेनल्टी में पुर्तगाल के कुन्हा शॉट बार के ऊपर मार बैठे। ब्राज़ील के पास मैच जीतने का सुनहरा मौका था, लेकिन रुआन पाब्लो का शॉट पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद सातवीं पेनल्टी पर जोसे नेटो ने गोल किया और ब्राज़ील के एंजेलो कैंडिडो के मिस करते ही पुर्तगाल ने इतिहास रचते हुए पहली बार अंडर-17 विश्व कप फाइनल में जगह बना ली।

27 नवंबर को फाइनल

फाइनल मुकाबला 27 नवंबर को दोहा के खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया के बीच खेला जाएगा। इसी दिन तीसरे स्थान के लिए ब्राज़ील और इटली के बीच मुकाबला एस्पायर अकादमी, दोहा में होगा।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का भव्य आगाज, खेल मंत्री बोले- 'ये खिलाड़ी 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद'

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की धरती पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 का रंगारंग आगाज हुआ। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन खेलों को औपचारिक रूप से उद्घाटित किया। यह केआईयूजी का पांचवां संस्करण है, जिसे स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राजस्थान सरकार, राज्य खेल परिषद, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज तथा विभिन्न राष्ट्रीय खेल संघों के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पूर्निमा यूनिवर्सिटी इन खेलों की मेजबान विश्वविद्यालय है।222 विश्वविद्यालयों के 4448 खिलाड़ी करेंगे 296 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला 24 नवंबर से 05 दिसंबर तक राजस्थान के सात शहरों में आयोजित होने वाले इन खेलों में 222 विश्वविद्यालयों के 4448 खिलाड़ी 23 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। खो-खो को प्रात्यक्षिक खेल के रूप में शामिल किया गया है, ताकि स्वदेशी खेलों के प्रचार को बढ़ावा मिल सके। कुल 296 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे। उद्घाटन समारोह में रोशनी, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का शानदार मिश्रण देखने को मिला। इस दौरान केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। डॉ मंडाविया ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरे सामने सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदें खड़ी हैं। आप ही वो युवा हैं जो आने वाले समय में देश का तिरंगा विश्व मंचों पर लहराएंगे।

एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025: मलेशिया, मिस्र, नामीबिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी मदुरै पहुंचे, न्यूजीलैंड की टीम चेन्नई उतरी

एजेंसी

मदुरै/चेन्नई। एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 की शुरुआत से पहले दिन मदुरै और चेन्नई दोनों शहरों के लिए बेहद व्यस्त रहा। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मलेशिया, मिस्र, नामीबिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें मदुरै पहुंचीं, जबकि लंबी यात्रा के बाद न्यूजीलैंड की टीम चेन्नई पहुंची। टूर्नामेंट 28 नवंबर से शुरू होकर 10 दिसंबर तक चलेगा।

मलेशिया की टीम सबसे पहले पहुंची

2023 में 12वें स्थान पर रही मलेशियाई टीम पूल-ई में इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया और नीदरलैंड्स के साथ रखी गई है। टीम 29 नवंबर को ऑस्ट्रिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी, इसके बाद 30 नवंबर को नीदरलैंड्स से और 2 दिसंबर को इंग्लैंड से मुकाबला खेलेगी।

2023 में 9वें स्थान पर रही मिस्र की टीम पूल-डी बेल्जियम, स्पेन और नामीबिया के साथ रखी गई है। मिस्र का पहला मैच 28 नवंबर को स्पेन से होगा। इसके बाद नामीबिया की टीम भी मदुरै पहुंची। पहली बार जूनियर वर्ल्ड

कप खेल रही नामीबिया टीम 28 नवंबर को बेल्जियम के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

नामीबिया के कोच योहान वाइहे ने कहा, 'हमारा स्वागत शानदार रहा। हमने कड़ी मेहनत की है और हर पल के लिए लड़ने को तैयार हैं।'

2016 के बाद इंग्लैंड की जूनियर टीम फिर से वर्ल्ड कप खेल रही है। पूल श्र में इंग्लैंड नीदरलैंड्स के खिलाफ 29 नवंबर को अभियान शुरू करेगी। कोच जॉन ब्लेब्ली ने कहा, 'भारत में हॉकी खेलना अद्भुत है। आतिथ्य से हम अभिभूत हैं।' पूल-ए में जर्मनी, कनाडा और आयरलैंड के साथ रखी गई दक्षिण अफ्रीका टीम का पहला मुकाबला 28 नवंबर को मौजूदा चैंपियन जर्मनी से होगा। कोच गाइ एलियट ने कहा कि 'हमने दो साल तैयारी की है। यहाँ की ऊर्जा अद्भुत है।' 2009 में सर्वश्रेष्ठ (चौथा स्थान) प्रदर्शन करने वाली न्यूजीलैंड की टीम पूल-सी अर्जेंटीना, चीन और जापान में है। टीम 28 नवंबर को चीन के खिलाफ खेलेगी। कोच माइक डेलानी ने कहा, 'भारत में हॉकी का माहौल शानदार है। यहां खेलना हमेशा सम्मान की बात है।'

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता हुए पुरस्कृत

एजेंसी

प्रयागराज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में मेरा युवा भारत प्रयागराज द्वारा उपनिदेशक जागृति पांडेय के निर्देशन में अंदावा स्थित बाबू जोखई पाल मिनी स्टेडियम में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महापौर गणेश केशरवानी तथा अति विशिष्ट अतिथि फूलपुर विधायक दीपक पटेल एवं हंडिया के पूर्व विधायक प्रशांत सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार, प्रमाणपत्र, मेडल, टी शर्ट, ट्रैकसूट वितरित कर खेलों के प्रति क्षेत्र में उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता को बाबू जोखई पाल युवा समिति के अध्यक्ष ऋषि पाल तथा उनकी समिति सदस्य टीम की देख-रेख में बहरिया, उरुवा, बहादुरपुर, श्रृंगवेरपुर, चाका, कौड़ीहार की खंड स्तरीय खेलों की विजेता टीम ने प्रतिभाग किया। कुल 6 प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। जिनमें कबड्डी (बालिका), वॉलीबॉल (बालक), लम्बी कूद, 200 मीटर रेस, 800 मीटर और 400 मीटर रेस का फाइनल्स एवं समापन समारोह कराया गया। इस खेलकूद प्रतियोगिता में स्थानीय समाजसेवियों में पी एन अकेला,

गुलाब सिंह यादव, दीपू पाल, आरुष पाल, गोलू पाल, राजू, मनीष, विशाल, अमन, हर्ष, रवि, रोहित, अजय, प्रिंस, आदर्श, तथा अध्यापक गांधी इंटर कॉलेज ने अपना सहयोग प्रदान किया।--प्रतियोगिता परिणामः--इस आयोजन में कबड्डी विजेता-बहादुरपुर की टीम, उपविजेता-मांडा टीम।-वॉलीबॉल बहरिया की टीम कप्तान-दिव्यांशु एवं उपविजेता-त्रिवेणीपुरम की टीम जिसके कप्तान सुधीर हैं।-200 मीटर दौड़ में प्रथम शिवनी, द्वितीय शिल्पा एवं तृतीय सुनैना निषाद।-400 मीटर दौड़ में प्रथम इमरान अली मेजा से, द्वितीय प्रमोद पाल उरुवा ब्लॉक एवं तृतीय आकाश कुमार बहादुरपुर। -800 मीटर रेस में प्रथम कविता, द्वितीय सौम्या एवं तृतीय शिल्पा।-लम्बी कूद में प्रथम अर्जुन यादव बहादुरपुर से, द्वितीय प्रियांश यादव सोरांव एवं तृतीय साहिल पाल मेजा से।-निर्णायक मंडल में विमलेश पाल, विशाल यादव, अक्षय पाल, अरुण पाल, सरोज आनंद, अजय पाल रहे।

भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना लगभग तय, 26 नवंबर को हो सकती है औपचारिक घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना लगभग तय माना जा रहा है। ग्लासगो में 26 नवंबर को होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली में भारत की बोली को औपचारिक मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इस बार यह बहु-खेल आयोजन अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स बोर्ड ने भारतीय बोली की सिफारिश की थी, जिसे मूल्यांकन समिति ने तकनीकी तैयारी, खिलाड़ियों के अनुभव, आधारभूत ढांचे, सुशासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के अनुरूपता के आधार पर परखा।2030 संस्करण के लिए भारत का मुकाबला नाइजीरिया के अबुजा शहर से था, लेकिन संगठन ने अफ्रीकी राष्ट्र को 2034 संस्करण

के लिए विचार करने का फैसला किया है, ताकि वहां की मेजबानी की तैयारियों को लंबी अवधि में समर्थन और गति दी जा सके।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के मुताबिक असेंबली के दौरान भारत की ओर से अहमदाबाद में होने वाले खेलों की विजन प्रस्तुति दी जाएगी। उसके बाद सदस्य देश मिलकर 2030 के सेंचुरी एडिशन के मेजबान पर अंतिम निर्णय लेंगे। इसके तुरंत बाद एक विशेष प्रसारण के जरिए औपचारिक घोषणा की जाएगी। भारत की ओर से इस बैठक में खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुनल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी.टी. उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी सहित कई प्रतिनिधि मौजूद हैं। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम करीब 6:30 बजे होने की उम्मीद है।हाल के महीनों में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप और एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 क्वालिफायर जैसे बड़े आयोजन सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं। अगले वर्ष यहां एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और एशिया पैरा-आर्चरी कप भी आयोजित होंगे।

दुनिया के सबसे उम्रदराज ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने हंगरी के बेनेडेक

एजेंसी

बुडापेस्ट। हंगरी के आधुनिक पेंटाथलॉन खिलाड़ी गाबोर बेनेडेक (98) अब दुनिया के सबसे अधिक आयु वाले जीवित ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए हैं। यह जानकारी हंगेरियन समाचार एजेंसी ने दी। यह उपलब्धि तब दर्ज हुई जब पूर्व सोवियत संघ के फुटबॉल खिलाड़ी निकीता सिमोनयान का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

सिमोनयान, जो आर्मेनियाई मूल के थे, ने 1956 मेलबर्न ओलंपिक में सोवियत टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 12 अक्टूबर को अपना 99वां जन्मदिन मनाया था। सिमोनयान के निधन के बाद अब बेनेडेक सबसे उम्रदराज़ जीवित ओलंपिक स्वर्ण विजेता हैं। 23 मार्च 1927 को तिसाफ्यूरेड में जन्मे बेनेडेक ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में टीम स्वर्ण और व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत और टीम दोनों श्रेणियों में विश्व चैम्पियनशिप खिताब भी अपने नाम किए।बेनेडेक 1970 से जर्मनी के बॉन शहर के पास रह रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि हंगरी की पांच बार की ओलंपिक जिम्नास्टिक्स

चैंपियन एग्नेस केलेटी, जिनका इस वर्ष 2 जनवरी को 104वें जन्मदिन से ठीक पहले निधन हो गया था, अब भी सर्वकालिक सबसे अधिक आयु वाली ओलंपिक चैंपियन बनी हुई हैं।

सुल्तान अजलान शाह कप 2025: बेल्जियम ने भारत को 3-2 से हराया

एजेंसी

इपोह (मलेशिया)। बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें बेल्जियम के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच मंगलवार को पुनर्निर्धारित कर खेला गया। भारत की ओर से अभिषेक ने 33वें मिनट में और शिलानंद लाकड़ा ने 57वें मिनट में गोल दागे, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन ड्यूवेकॉट (17', 57') और निकोलस डी केरपेल (45') ने गोल किए। मैच की शुरुआत भारत ने मजबूत रक्षात्मक अंदाज़ में की और शुरुआती दबाव को प्रभावी रूप से संभाला। गोलकीपर पवन ने पहले क्वार्टर में दो महत्वपूर्ण बचाव करते हुए टीम को बराबरी पर बनाए रखा। बेल्जियम को शुरुआती 10 मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय

रक्षा पंक्ति ने शानदार मुकाबला किया और पहला क्वार्टर बिना गोल के समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन इस दौरान बेल्जियम ने 17वें मिनट में रोमन ड्यूवेकॉट के गोल से बढ़त बना ली। भारत ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की और दिलप्रीत सिंह ने गेंद को गोल में पहुंचाया, मगर उसे खतरनाक खेल करार देकर रद्द कर दिया गया। हाफ टाइम तक बेल्जियम 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत भारत ने तेज तर्रार अंदाज़ में की और 33वें मिनट में अभिषेक ने शानदार फिनिशिंग करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद भारत ने दबाव बनाया, लेकिन 45वें मिनट में बेल्जियम ने पेनल्टी कॉर्नर से निकोलस डी केरपेल के जरिए बढ़त दोबारा हासिल कर ली। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही रोमन ड्यूवेकॉट ने एक और गोल दागकर बेल्जियम को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने हार नहीं मानी और 57वें मिनट में रबिचंद्र सिंह के बेहतरीन क्रॉस पर शिलानंद लाकड़ा ने गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया। मैच खत्म होने से ठीक 90 सेकंड पहले मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए एक और गोल होने से रोका, लेकिन बराबरी का गोल भारत के हाथों से निकल गया।

फीफा और सऊदी एजेंसी ने विकासशील देशों में फुटबॉल ढांचे के लिए 1 अरब डॉलर देने का किया वादा

एजेंसी

जिनेवा। फीफा और सऊदी फंड फॉर डेवलपमेंट ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत विकासशील देशों और क्षेत्रों में खेल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फीफा के अनुसार, यह फंड स्टेडियमों के निर्माण, सुधार और आवश्यक आसपास की खेल सुविधाओं के विकास पर खर्च किया जाएगा।फीफा द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'यह कार्यक्रम विकासशील देशों और उनके संबंधित फीफा सदस्य संघों को प्राथमिकता देगा, जिससे वे ऐसी सुविधाओं में निवेश कर सकें जो

वृद्धि को प्रोत्साहित करें, अवसर पैदा करें और हर स्तर पर भागीदारी को प्रेरित करें।' फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'यह समझौता हमारे फीफा सदस्य संघों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में अहम कदम है, ताकि फुटबॉल को सचमुच वैश्विक खेल बनाया जा सके।'

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा : साइना नेहवाल

नई दिल्ली : ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है। लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।' साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

भोपाल के बड़े तालाब में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स एवं 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप 26 नवंबर से

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय रोइंग संघ के तत्वावधान में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स एवं 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 30 नवंबर तक किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ी प्रतिभागिता करेंगे। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आयोजन स्थल पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे देशभर से आने वाले खिलाडियों और अधिकारियों को उत्कृष्ट अनुभव प्राप्त हो सकें। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण क्षेत्रों, उपकरणों की उपलब्धता एवं तकनीकी तैयारियों का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव करेंगे शुभारंभः मंत्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा

किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े तालाब के प्राकृतिक और अद्भुत सौंदर्य के बीच होने वाली यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों और दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी।

राष्ट्रीय स्तर की वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का प्रमुख केंद्र बन रहा

मध्य प्रदेशखेल मंत्री सारंग ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का मध्यप्रदेश प्रमुख केंद्र बन रहा है। इस तरह के चैंपियनशिप के आयोजन से मध्य प्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स को और बढ़ावा मिलेगा तथा युवा खिलाड़ियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। बड़े तालाब का विस्तृत क्षेत्र और अनुकूल जल परिस्थितियाँ देश के प्रमुख वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता स्थलों में से एक हैं। भोपाल का बड़ा तालाब वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं के लिए एक बेहद खूबसूरत और उपयोगी डेस्टिनेशनसारंग ने कहा कि भोपाल में इस स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। भोपाल का बड़ा तालाब वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं के लिए एक बेहद खूबसूरत और उपयोगी डेस्टिनेशन है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वर्तमान में नेशनल रोइंग खेल में नेशनल चैंपियन भी है। यह हमारे खिलाड़ियों की मेहनत और प्रदेश की खेल नीतियों का परिणाम है। इस तरह की प्रतियोगिताओं से प्रदेश के वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच मिलेगा।

विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं करें सुनिश्चित

मंत्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान प्रतियोगिता के लिए सुरक्षा, चिकित्सा, जलपोत प्रबंध, टेक्निकल टीम, रेस ट्रैक मार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं दर्शकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

लेमन ने पेश किया 'पावर एसआईपी'

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर व्यापार एवं निवेश प्लेटफॉर्म लेमन ने शेयर बाजार निवेशकों के लिए 'पावर एसआईप' समेत कई उत्पाद पेश किये। कंपनी ने बताया कि 'पावर एसआईपी' पारंपरिक निवेश में आधुनिक दृष्टिकोण जोड़ते हुए व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में ज्यादा रिटर्न के लिए तैयार किया गया है। पारंपरिक एसआईपी में केवल निश्चित अंतराल पर तय राशि निवेश करने का प्रावधान होता है, जबकि पावर एसआईपी निवेशकों को लीवरेज का उपयोग करके बीच में भी अतिरिक्त निवेश करने की अनुमति देता है, जिससे समय के साथ निवेश पर संभावित रिटर्न बढ़ सकता है। प्लेटफ़ॉर्म 10.95 प्रतिशत का प्रतिस्पर्धी और अपेक्षाकृत कम मार्जिन ट्रेडिंग फ़ैसिलिटी (एमटीएफ) रेट प्रदान करता है, जिससे निवेशकों को कम लागत पर अधिक लचीलापन मिलता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पावर एसआईपी में लीवरेज का उपयोग शामिल होता है, जिससे मार्जिन ट्रेडिंग जैसी बाजार जोखिम की स्थितियां पैदा हो सकती हैं। इसलिए इस सुविधा को चुनते समय निवेशकों को सावधानी और समझदारी बरतनी चाहिए। लेमन के प्रमुख देवम सरदाना ने कहा, 'हम निवेश को सरल, ट्रेडिंग को तेज और सभी के लिए संपत्ति सृजन को अधिक कुशल बनाना चाहते हैं। ये सुविधाएं पारंपरिक निवेश और आधुनिक ट्रेडिंग के सर्वश्रेष्ठ पहलुओं को एक साथ लाती हैं।

ऐतिहासिक गिरावट से उबरा रुपया, 50 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 50.50 पैसे की मजबूती के साथ 89.16 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 21 नवंबर को 98 पैसे लुढ़ककर 89.6650 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। यह पहला अवसर था जब एक डॉलर 89 रुपये से अधिक का बोला गया था। रुपये में आज शुरू से ही तेजी रही। यह 20.50 पैसे की बढ़त में 89.46 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। इसमें दिन के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह नीचे 89.50 रुपये प्रति डॉलर और ऊपर 89.05 रुपये प्रति डॉलर तक गया। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर सूचकांक आज 0.10 प्रतिशत कमजोर हुआ, लेकिन यह अब भी 100 के ऊपर बना हुआ है। साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रही नरमी से भी रुपये को समर्थन मिला।

जम्मू कश्मीर में पहली बार चूना पत्थर के सात ब्लॉक की नीलामी होगी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में पहली बार चूना पत्थर के कुल सात ब्लॉक की नीलामी की जाएगी। खान मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, ' यह केंद्र शासित प्रदेश में खनन ब्लॉक की पहली नीलामी भी है, जो पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धात्मकता और खनिज क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में बदलाव को दर्शाती है। ' इन खनिज भंडारों को जी3 और जी4 अन्वेषण चरणों के तहत वर्गीकृत किया गया है। खान मंत्रालय ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में चूना पत्थर खनिज खंडों की यह पहली नीलामी 24 नवंबर 2025 को जम्मू में औपचारिक रूप से शुरू होगी। ' इस कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी करेंगे।

गडकरी ने कृषि विकास के लिए 'किसान उत्पादक कंपनियों' की वकालत की

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किसानों की प्रगति के लिए किसान उत्पादक कंपनियों की आवश्यकता पर जोर दिया। किसान उत्पादक संगठन पर आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की सभी समस्याओं को जिले के कमिश्नरेट स्तर पर किसान उत्पादक कंपनी के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'किसानों की प्रगति और विकास के लिए हमें किसान उत्पादक कंपनियों का एक शीर्ष संगठन बनाना होगा। इन कंपनियों के माध्यम से किसान कृषि उपकरण, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि का सामूहिक उपयोग कर सकेंगे और कर्ज चुकाना भी आसान हो जाएगा। ' उन्होंने कहा कि खेती की लागत कम करना और पैदावार बढ़ाना सबसे जरूरी है। गडकरी ने कहा, 'इसी से किसान समृद्ध और खुशहाल बनेंगे। ' साथ ही उन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीक और कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग पर विशेष बल दिया। यह कार्यशाला एग्रो विजन द्वारा आयोजित की गई थी।

सुदीप फार्मा लिमिटेड का आईपीओ दूसरे दिन 5.09 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। सुदीप फार्मा लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के दूसरे दिन 5.09 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। सुदीप फार्मा लिमिटेड के आईपीओ को प्रस्ताव पर 1,05,64,926 शेयरों के मुकाबले 5,37,83,650 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के अनुसार एनएसई पर मौजूद डेटा के मुताबिक गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 12 गुना अभिदान मिला, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के कोटा को 4.96 गुना अभिदान मिला। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) हिस्से को 13 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है। सुदीप फार्मा लिमिटेड का

यह इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 21 नवंबर को लांच हुआ, जो 25 नवंबर को बंद होगा। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 268.5 करोड़ रुपये जुटाए थे। सुदीप फार्मा लिमिटेड ने 895 करोड़ रुपये की अपने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 563-593 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 25 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 25 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। सुदीप फार्मा लिमिटेड एक टेक्नोलॉजी-ड्रिवन कंपनी है, जो एक्सीपियंट्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स का निर्माण करती है। इन उत्पादों का इस्तेमाल दवा उद्योग, खाद्य उद्योग और न्यूट्रिशन सेक्टर में किया जाता है। यह कंपनी पूरी तरह इन-हाउस टेक्नोलॉजी पर काम करती है, जिसमें एनकैप्सूलेशन, स्प्रे ड्राइंग, ग्रेन्यूलेशन, ब्लेंडिंग और लिपोसोमल प्रिपरेशन जैसी एडवांस प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी की पहुंच 100 से ज्यादा देशों में है।

अकासा एयर फरवरी से डिब्रूगढ़ के लिए शुरू करेगी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए अगले साल फरवरी से असम के डिब्रूगढ़ के लिए उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह 01 फरवरी 2026 से पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से डिब्रूगढ़ के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी जबकि बेंगलुरु से बागडोगरा के रास्ते डिब्रूगढ़ के लिए उड़ान उपलब्ध होगी। यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध होगी।

उड़ान संख्या क्यूपी 1850 सुबह 5:25 बजे बेंगलुरु से रवाना होगी और 8:20 पर बागडोगरा पहुंचेगी। वहां से 8:55 पर वह डिब्रूगढ़ के लिए उड़ान भरेगी। वापसी में उड़ान संख्या क्यूपी 1851 डिब्रूगढ़ से 11:15 बजे रवाना होगी और दोपहर बाद 12:45 बजे बागडोगरा पहुंचेगी। वहां से दोपहर बाद 1:20 बजे उड़ान भरकर शाम 4:25 बजे बेंगलुरु उतरेगी। डिब्रूगढ़ अकासा के नेटवर्क में शामिल होने वाला 26वां घरेलू शहर होगा। इसके अलावा एयरलाइंस छह अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों के लिए भी सेवा देती है।अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी प्रवीण अय्यर ने कहा कि भारत के लिए असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण हैं। इस क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर संपर्क साधन जरूरी हैं।

भारत ने विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता 2025 के लिए 23 सदस्यीय दल को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। भारत ने चीनी ताइपे में 27-29 नवंबर 2025 तक आयोजित होने वाली विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता (डब्ल्यूएसएसी) 2025 के लिए 23 सदस्यीय दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर समारोह में एमएसडीई की सचिव देबाश्री मुखर्जी, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार ज्ञान भूषण, एमएसडीई और अनुभवी अभिनेता सुदेश बेरी भी शामिल हुई, जिन्होंने प्रेरक संदेशों के साथ प्रतियोगियों को प्रोत्साहित किया। एमएसडीई ने कहा कि यह पहली बार है जब भारत वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्लेटफॉर्म में हिस्सा ले रहा है, जिससे यह इवेंट देश की ग्लोबल स्किल्स जर्नी के लिए एक अहम पड़ाव बन गया है। चीनी ताइपे में 27-29 नवंबर 2025 तक आयोजित होने वाली विश्व कौशल एशिया

प्रतियोगिता (डब्ल्यूएसएसी) 2025 में भारती दल के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह वर्ष प्रतिष्ठित महाद्वीपीय कौशल मंच पर भारत की शुरुआत का प्रतीक है, जो इसे देश की वैश्विक कौशल यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बनाता है।

मंत्रालय के मुताबिक विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता-2025 में भारत की भागीदारी, कौशल भारत मिशन के तहत वैश्विक मानकों, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्किंग और विश्व स्तरीय तकनीकी शिक्षा के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। इसमें एनएसडीसी कार्यान्वयन, प्रशिक्षण डिजाइन, विशेषज्ञ संलग्नता और प्रतिस्पर्धी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अफगानिस्तान ने सोने के खनन एवं विभिन्न क्षेत्रों में भारत से निवेश का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने आर्थिक सहयोग को गहरा करने और स्थानीय रोजगार को बढ़ाने के प्रयासों के तहत भारत को अपने लंबे समय से निष्क्रिय खदानों पर खनन का प्रस्ताव दिया है। अफगानिस्तान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का आह्वान किया है। अफगानिस्तान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने भारतीय उद्योग संगठन एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक परिचर्चा सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भारतीय कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने सोने के खनन में निवेश करने वाली कंपनियों को 5 साल की टैक्स छूट देने का प्रस्ताव रखा है। उद्योग मंडल 'एसोचैम' की ओर से आयोजित परिचर्चा सत्र को संबोधित करते हुए अजीजी ने कहा कि पाकिस्तान के साथ तनाव व्यापार में बाधा उत्पन्न कर रहा है। अफगानिस्तान के वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने एसोचैम के साथ एक बैठक की। उन्होंने कहा कि इस दौरे का मकसद भारत के साथ द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और भारत के साथ ऐतिहासिक संबंध को बढ़ाना है। हम भारत के साथ अपने रिश्तों को और बेहतर बनाना चाहते हैं।

मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आपको अधिक प्रतिस्पर्धी भी नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आपको शुल्क सहायता भी मिलेगी और

हम आपको जमीन भी दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय कंपनियां निवेश के लिए मशीनरी आयात करती हैं तो अफगानिस्तान केवल एक फीसदी शुल्क लगाएगा। अजीजी ने कहा कि शर्त यह है कि हम उम्मीद करेंगे कि इसका प्रसंस्करण देश में ही हो ताकि रोजगार उत्पन्न हो सकें।

लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 331 अंक तक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र के दौरान गिरावट दर्ज हुई और दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। सतर्क निवेशकों की अंतिम समय में बिकवाली और किसी ठोस संकेतक के अभाव में बीएसई का सेंसेक्स 331 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई का निफ्टी 26,000 अंक के नीचे आ गया।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए 331.21 अंक यानी 0.39 फीसदी टूटकर 84,900.71 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 521.81 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 108.65 अंक यानी 0.42 फीसदी फिसलकर 25,959.50 के स्तर पर बंद हुआ है। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों की शुरुआत आज बढ़त

में हुई थी, लेकिन दोपहर बाद बिकवाली बढ़ने से वे लाल निशान में चले गए और गिरावट से उबर नहीं सके। आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में गिरावट ज्यादा रही। एनएसई में रियलिटी, धातु, रसायन और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों पर सबसे अधिक दबाव रहा।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 शेयर में गिरावट रही है। सबसे ज्यादा 3 फीसदी गिरावट बीईएल में रही। टाटा स्टील का शेयर 1.61 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.59 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.18 फीसदी, ट्रेंट का 1.16 फीसदी, बजाज फिनसर्व का 1.14 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 1.10 फीसदी, बजाज फाइनेंस का 1.09 फीसदी और आईटीसी का शेयर 1.03 फीसदी टूट गया। इसके अलावा इंफोसिस, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट रही। पिछले हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन भी शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 फीसदी लुढ़कर 85,231.92 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 124.00 अंक यानी 0.47 अंक फिसल कर 26,068.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

चावल, चीनी, दालों में तेजी; खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजार में उठाव अच्छा रहने से चावल के भाव बढ़ गये। चीनी और दालों में भी तेजी रही जबकि गेहूं की कीमत लगभग गत दिवस के स्तर पर ही रही। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 121 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। गेहूं भी टिकाव रहा। आटे की कीमत 17 रुपये फिसल गयी। आपूर्ति कम रहने से दालों के दाम बढ़ गये। उड़द दाल की औसत कीमत 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल 106 रुपये और तुअर दाल 233 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत 140 रुपये और चना दाल की 138 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी।

विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 14 रिंगिट फिसलकर 4,055 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। अमेरिकी सोया तेल का जनवरी वायदा भी 0.69 प्रतिशत टूटकर 50.25 डॉलर बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल और पाम ऑयल औसतन 45-45 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गये। सोया तेल के भाव 17 रुपये और सूरजमुखी तेल का 122 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। वनस्पति 214 रुपये और मूंगफली तेल में 78 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आवक कम रहने से आज गुड़ औसतन 81 रुपये और चीनी 78 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

एसएंडपी ने 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा भारत का वृद्धि अनुमान

नयी दिल्ली। साख निर्धारक एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है।

एसएंडपी ग्लोबल ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए साल 2026 की पहली तिमाही के आर्थिक परिदृश्य पर रविवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर साल 2026 में 6.7 प्रतिशत और साल 2027 में सात प्रतिशत रहेगी, हालांकि साल 2028 में यह घटकर 6.8 प्रतिशत रह जायेगी। इसमें चीन की विकास दर इस साल 4.8 प्रतिशत और अगले साल 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा है कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था साल

2027 और 2028 में 4.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर इस साल अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही थी जबकि जुलाई-सितंबर तिमाही के आंकड़े इसी महीने के अंत में जारी होंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क के प्रभाव के बावजूद घरेलू उपभोग के दम पर आर्थिक विकास मजबूत बना रहेगा। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में भारी आयात शुल्क के कारण निर्यात प्रधान विनिर्माण का विस्तार प्रभावित हो रहा है। यदि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार समझौता हो जाता है तो अनिश्चितता समाप्त होगी और विश्वास बढ़ेगा। इससे श्रम प्रधान क्षेत्रों को गति मिलेगी।

एसएंडपी ग्लोबल ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल में की गयी कटौती से मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा मिलेगा जिससे करों और नीतिगत ब्याज दरों में इस साल की गयी कटौती के राजस्व नुकसान की भरपाई हो सकेगी।

गुरुग्राम में खुला टाटा स्टारबक्स का 500वां स्टोर, स्थानीय कारीगरों ने तैयार की डिजाइन

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा स्टारबक्स ने भारत में अपने 500वें स्टोर का उद्घाटन किया है। ये नया स्टारबक्स रिजर्व स्टोर हरियाणा के गुरुग्राम में खुला है। इसे स्थानीय कारीगरों की कलाकृतियों, टेक्सचर और डिजाइन से तैयार किया गया है, जो भारत की समृद्ध कॉफी विरासत को दर्शाता है।

गुरुग्राम स्थित नया स्टारबक्स रिजर्व स्टोर भारत का दूसरा रिज़र्व स्टोर है और स्टारबक्स की कॉफी विशेषज्ञता तथा डिजाइन फिलॉसफी को दर्शाता है, जहां क्राफ्ट, संस्कृति और स्थानीय कला मिलकर कॉफी को एक शानदार अनुभव में बदल देते हैं। इस स्टोर में स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार किए गए टेक्सचर और आर्टवर्क भारत की कॉफी उत्पादन विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह स्थान मेहमानों को कॉफी की कला और

विज्ञान को गहराई से समझने का अवसर देता है, जहां स्टारबक्स की दुनियाभर से लाई गई रेयर और स्मॉल-लॉट कॉफी को सिफोन, पोर-ओवर और केमेक्स जैसे एडवांस्ड ब्रूइंग तरीकों से परोसा जाता है।

टाटा स्टारबक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुशांत दाश ने कहा कि यह माइलस्टोन भारत की विकसित हो रही कॉफी संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि '500 वेज टू बिलॉन्ग' कैंपेन उन समुदायों को समर्पित है, जिन्होंने स्टारबक्स को अपनाया। हर स्टोर, हर पार्टनर और हर ग्राहक ने तय किया है कि भारत कॉफी के जरिए कैसे जुड़ता है। दाश ने कहा गुरुग्राम में 500वें स्टारबक्स रिजर्व स्टोर का उद्घाटन हमारे इस वादे को और मजबूत करता है कि हम कप और बातचीत के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाले अनुभव बनाते रहेंगे।

राइट्स साउथ अफ्रीका को चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव का निर्यात करेगी: सीएमडी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय के तहत आने वाली कंपनी राइट्स लिमिटेड पहली बार चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव का निर्यात करेगी। पहली खेप दक्षिण अफ्रीका जाएगी। राइट्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राहुल मिथल ने बताया कि भारतीय रेल अब लगभग पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुकी है। इसलिए 15 साल से अधिक शेष आयु वाले चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव को विदेश निर्यात करने का फैसला किया गया है।

कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका से 18 चालू हालत के डीजल लोकोमोटिव के निर्यात का ऑर्डर हासिल किया है। इनमें दक्षिण अफ्रीकी रेलवे की जरूरतों के अनुसार बदलाव किए जा रहे हैं।

अब तक राइट्स केवल नई लोकोमोटिव ही निर्यात करती रही है, लेकिन चालू हालत के लोकोमोटिव का निर्यात पहली बार हो रहा है। दक्षिण अफ्रीका में केप गेज (1,067 मिमी) और भारत में ब्रॉड गेज (1,676 मिमी) होने के बावजूद जरूरी तकनीकी संशोधनों के बाद ये लोकोमोटिव पूरी तरह उपयुक्त हो जाएंगे। राहुल मिथल ने कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक पहली चालू हालत की संशोधित डीजल लोकोमोटिव की आपूर्ति कर दी जाएगी। हमें उम्मीद है कि गुणवत्ता देखकर दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देशों से भी ऐसे ऑर्डर मिलेंगे।

फेड की संभावित दर कटौती की उम्मीदों से सर्राफा बाजार गुलजार

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच वायदा कारोबार में मंगलवार को सोने की कीमत 1,458 रुपये की तेजी के साथ 1,25,312 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से अगले महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है।

एमसीएक्स पर बढ़े सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर डिलीवरी के लिए सोना वायदा भाव 1,458 रुपये या 1.18 प्रतिशत बढ़कर 1,25,312 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जिसमें 8,599 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

एमसीएक्स पर चांदी की हाल

चांदी वायदा में भी खरीदारी देखी गई। दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी का भाव 2,583 रुपये या 1.67 प्रतिशत बढ़कर 1,57,065 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया जिसमें 9,492 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

वैश्विक बाजारों में बढ़े सोने-चांदी के दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, दिसंबर डिलीवरी के लिए कॉमेक्स सोना वायदा 47.8 डॉलर या 1.17 प्रतिशत बढ़कर 4,142 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो लगातार तीसरे दिन की बढ़त को दर्शाता है। इस बीच, विदेशी कारोबार में दिसंबर

डिलीवरी के लिए कॉमेक्स चांदी वायदा 1.94 प्रतिशत बढ़कर 51.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

अगले महीने ब्याज दरों की कटौती की उम्मीदें बढ़ी

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि सोने की कीमतें मंगलवार को बढ़कर 4,140 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गईं। यह पिछले सत्र की बढ़त को दर्शाती हैं, क्योंकि फेड के नरम रुख के संकेतों के बाद अगले महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। त्रिवेदी ने कहा कि व्यापारी अब दिसंबर में 25 आधार अंकों की कटौती की 81 प्रतिशत संभावना बता रहे हैं, जो एक सप्ताह पहले के 40 प्रतिशत से काफी अधिक है।

संभावित रूस-यूक्रेन शांति समझौता सुरक्षित निवेश में बढ़त को कर रहा सीमित

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि डॉलर सूचकांक स्थिर है और 100 अंक से ऊपर चल रहा है, जबकि संभावित रूस-यूक्रेन शांति समझौते को लेकर आशावाद सोने और चांदी में बढ़त को सीमित कर रहा है।

निवेशकों को है अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों का इंतजार

रिलायंस सिक्योरिटीज के त्रिवेदी ने कहा कि निवेशक सर्राफा कीमतों पर आगे की दिशा जानने के लिए प्रमुख अमेरिकी आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर के खुदरा बिक्री और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े, जो आज बाद में जारी होंगे, साथ ही बुधवार को साप्ताहिक बेरोजगारी दावों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की सेहत और फेड की मौद्रिक नीति के संभावित रुख के बारे में और संकेत मिलेंगे।

दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ विवाद की जांच के लिए टास्क फोर्स टीमों ने 49 मंत्रालयों और एजेंसियों पर कार्रवाई शुरू की

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में 3 दिसंबर को घोषित मार्शल लॉ से जुड़े कथित दुरुपयोग और अनियमितताओं की जांच के लिए बनाई गई कई सरकारी टास्क फोर्स टीमों ने औपचारिक रूप से काम शुरू कर दिया। यह जांच 49 सरकारी मंत्रालयों और एजेंसियों को कवर करेगी। इस व्यापक कार्रवाई ने सरकारी अधिकारियों में चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि उन्हें आशंका है कि त्वरित परिणामों के दबाव में कहीं बलि के बकरे न बनाए जाएं। प्रधानमंत्री किम मिन-सेओक ने सभी टास्क फोर्स टीमों को 'कानूनी प्रक्रिया, संयम और गोपनीयता' का पालन करने का निर्देश दिया। यह टास्क फोर्स पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल द्वारा घोषित मार्शल लॉ के दौरान शामिल अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल करेगी और फरवरी तक अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसाएं पेश करेगी। कुल 48 टास्क फोर्स 661 विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के साथ काम कर रही हैं। इनमें 12 एजेंसियों को विशेष निगरानी सूची में रखा गया है, जिनमें सेना, पुलिस, विदेश मंत्रालय और न्याय मंत्रालय शामिल हैं। हालांकि, अधिकारियों के बीच चिंता है कि यह प्रक्रिया पिछले प्रशासन की तरह व्यापक कार्रवाई में बदल सकती है, लेकिन कुछ लोग उम्मीद जताते हैं कि जांच सीमित और तथ्यों पर आधारित रहेगी।

यूक्रेन शांति वार्ता मानवाधिकारों पर आधारित होनी चाहिए: यूरोप परिषद के आयुक्त

जिनेवा। यूक्रेन को लेकर बढ़ती कूटनीतिक हलचल के बीच यूरोप की परिषद के मानवाधिकार आयुक्त माइकल ओ'फ्लेहर्टी ने चेतावनी दी है कि किसी भी संभावित शांति समझौते को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार ढांचे पर मजबूती से आधारित होना चाहिए। ओ'फ्लेहर्टी ने बयान में कहा कि यह उत्साहजनक है कि यूक्रेन के लिए शांति प्रयास तेज हो रहे हैं, लेकिन 'एक व्यापक, न्यायपूर्ण और टिकाऊ शांति तभी संभव है जब वह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार व्यवस्था पर आधारित हो।' उन्होंने जोर दिया कि अंतिम शांति वार्ता में जवाबदेही और क्षतिपूर्ति जैसे अहम मुद्दों को शामिल करना अनिवार्य है। इसमें रूस की आक्रामकता से जुड़ी मानवाधिकार उल्लंघनों और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, तथा सभी पीड़ितों के लिए न्यायपूर्ण मुआवज़ा शामिल है।

मॉस्को की ओर आ रहे 8 यूक्रेनी ड्रोन को रूसी रक्षा प्रणाली ने मार गिराया

मॉस्को। रूस ने सुबह मॉस्को की ओर बढ़ रहे आठ यूक्रेनी ड्रोन मार गिराया, यह जानकारी मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने दी। यह हमला उस घटना के एक दिन बाद हुआ, जिसमें यूक्रेन ने राजधानी के पास स्थित शातुरा पावर और हीट स्टेशन को निशाना बनाकर हजारों लोगों की हीटिंग व्यवस्था बाधित कर दी थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कुल 10 ड्रोन तीन क्षेत्रों मॉस्को, कालुगा और ब्रायंस्क में मार गिराए गए। हमले के बाद शातुरा शहर (जनसंख्या 33,000) में बैकअप पावर चालू करनी पड़ी और तापमान शून्य के आसपास पहुंचने के कारण मोबाइल हीटिंग यूनिट्स तैनात किए गए। पिछले महीनों में यूक्रेन में रूसी हमलों के चलते कई क्षेत्रों में बिजली और हीटिंग बंद होने की घटनाएं बढ़ी हैं, जबकि यूक्रेन भी समय-समय पर रूस-नियंत्रित क्षेत्रों में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले करता रहा है। हालांकि अब तक यूक्रेन ने मॉस्को और उसके आसपास के 2.2 करोड़ से अधिक आबादी वाले क्षेत्र में कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया है।

विघटित संसद के पुनर्स्थापना की मांग को लेकर नेपाली कांग्रेस और एमाले सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में

काठमांडू। नेपाल में विघटित संसद के बहुमत सांसदों का समर्थन हासिल करने के साथ पुनर्स्थापना की मांग को लेकर नेपाली कांग्रेस और एमाले उच्चतम न्यायालय में अलग-अलग रिट दाखिल करने की तैयारी में हैं। दोनों दलों ने पहले संयुक्त रिट दायर करने के लिए हस्ताक्षर किए थे, लेकिन दोनों दलों के सांसदों की संख्या जोड़ने पर भी बहुमत पूरा न होने के कारण अब अलग-अलग रिट दाखिल करने की तैयारी ी है। विघटित संसद में एमाले के कुल 78 सांसद थे, जिनमें से एक स्पीकर और दो निलंबित को छोड़कर 75 सांसदों के हस्ताक्षर संकलित हो चुके थे। अब दोनों दलों के तत्कालीन मुख्य सचेतक और सचेतक के हस्ताक्षर मात्र से अलग-अलग रिट दायर किए जाने की योजना है। हालांकि, कांग्रेस के भीतर प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की अपेक्षा चुनाव में जाने की राय अधिक मजबूत होने के कारण सभी सांसदों के हस्ताक्षर नहीं हो पाए हैं। दल के तत्कालीन मुख्य सचेतक श्याम कुमार घिमिरे के अनुसार कांग्रेस के केवल 45 सांसदों के हस्ताक्षर एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सांसद राजधानी से बाहर और कुछ विदेश में होने के कारण सभी के हस्ताक्षर संभव नहीं हो पाए। उन्होंने कहा कि अदालत की आवश्यकता पड़ने पर हम बहुमत सांसदों के हस्ताक्षर जुटा सकते हैं। उधर, एमाले ने प्रतिनिधि सभा विघटन के खिलाफ रिट दायर करने का संस्थागत निर्णय पहले ही किया था। विघटित दल की बैठक में प्रतिनिधि सभा विघटन के विरोध में रिट दायर करने तथा इसके लिए तत्कालीन मुख्य सचेतक और सचेतक को अधिकृत करने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा पुनर्स्थापना को आधिकारिक एजेंडा नहीं बनाया है।

तालिबान का दावा-पाकिस्तान के हवाई हमले में नौ बच्चों और एक महिला की मौत

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान ने आज सुबह कहा कि पाकिस्तान ने बेवजह रात को हवाई हमला किया। सरहद पार की सेना के इस हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। इसके अलावा कम से कम चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारे गए अफगान नागरिकों में एक महिला और नौ बच्चे हैं। पाकिस्तान के शहर पेशावर में आत्मघाती हमले के एक दिन पूरा होने से पहले सेना ने हवाई हमला किया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की एक्स पोस्ट के हवाले से बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार, पाकिस्तान के क्वेटा से पश्तो भाषा में प्रसारित न्यूज पोर्टल द बलोचिस्तान पोस्ट और ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट्स में इस हमले पर विस्तार से चर्चा की है। मुजाहिद के अनुसार खोस्त प्रांत में पाकिस्तान की सेना ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए बमबारी की। कुनार और पक्तिका प्रांत में छापे मारे। इस कार्रवाई में चार आम लोग घायल हो गए।

मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान की सेना रात लगभग 12 बजे ख्वास्त प्रांत के गेरबज्वो जिले में में रहने वाले विलायत खान के घर पर बम बरसाए। मारे गए बच्चों में पांच लड़के और चार लड़कियां और एक महिला मारी गई। हमले में विलायत का घर तबाह हो गया। पाकिस्तान की सेना और विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान के प्रवक्ता के दावे पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले अक्टूबर में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच भीषण झड़प हो चुकी है। इस घमासान में दर्जनों लोग मारे गए। इसके बाद दोनों पक्षों ने दोहा में संघर्ष विराम पर हस्ताक्षर किए। फिर भी दोनों देश आक्रामक मुद्रा में नजर आए। तुर्किये में शांति वार्ता की मेज पर बात नहीं बन सकी और बिना किसी निर्णय के बातचीत विफल हो गई। रिपोर्ट के अनुसार पेशावर हमले की अब तक किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। मगर पाकिस्तान के सरकारी प्रसारक पीटीवी ने कहा कि हमलावर अफगानिस्तान के नागरिक थे और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने इसके लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान लगातार आरोप लगा रहा है कि टीटीपी अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान में अस्थिरता फैला रहा है। सनद रहे इस महीने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी टीटीपी के एक सहयोगी संगठन ने ली थी। इस हमले में 12 लोग मारे गए थे। राजधानी पर हुए हमले के लिए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी के एक प्रमुख नेता को जिम्मेदार ठहराया। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी जारी की हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि रात को उन्होंने एक के बाद एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान की सीमा के भीतर हवाई हमले किए हैं।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों की गोलीबारी में खैबर पख्तूनख्वा में 22 विद्रोही मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अशांत प्रांतों में सक्रिय विद्रोहियों के खात्मे के लिए चलाए गए खुफिया अभियान के दौरान हुई गोलीबारी में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 22 सदस्यों को मार गिराया। पाकिस्तान के सैन्य बलों की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि यह गोलीबारी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में हुई। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने मंगलवार को बयान में कहा कि सुरक्षा बलों को यह कामयाबी मिली। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अभियान की सफलता के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पेशावर शहर में सोमवार सुबह फेडरल कांस्टेबुलरी के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन जवान मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि इस हमले के दौरान तीनों हमलावर ढेर कर दिए गए। पाकिस्तान ने आत्मघाती हमलावरों को अफगानिस्तान का नागरिक बताया है। हालांकि, अभी तक हमले की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है।

अमेरिका अनुसंधान में करेगा कृत्रिम मेधा का प्रयोग, मुस्लिम ब्रदरहुड पर कसेगा शिकंजा, ट्रंप ने किए दो कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। एक का मकसद देश में होने वाले विभिन्न तरह के अनुसंधान में कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का इस्तेमाल करना है। दूसरे का मकसद मुस्लिम ब्रदरहुड पर शिकंजा कसना है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।रिपोर्ट के अनुसार, कृतिम मेधा के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम में तेजी लाई जाएगी। इसके लिए ऊर्जा विभाग और उसकी राष्ट्रीय प्रयोगशाला को सुपर कंप्यूटर्स का इस्तेमाल करके एक इंटीग्रेटेड एआई प्लेटफॉर्म बनाने का निर्देश दिया गया है। व्हाइट हाउस इस परियोजना को जेनेसिस मिशन का नाम दिया है। व्हाइट हाउस को उम्मीद है कि इससे चिकित्सा विज्ञान को बड़ा फायदा होगा। बीमारियों के इलाज में मदद मिलेगी। व्हाइट हाउस के अधिकारियों का मानना है कि इसमें प्राइवेट सेक्टर का भी सहयोग लिया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं कि मिशन को फंड कहां से मिलेगा। इसके अलावा राष्ट्रपति ने मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठनों को आतंकवादी समूह घोषित करने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। ट्रंप ने

कार्यकारी आदेश में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े कुछ मिडिल ईस्ट के संगठनों को आतंकवादी ग्रुप घोषित करने पर विचार करने को कहा है। उन्होंने विदेशमंत्री मार्को रुबियो और वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट को 30 दिन में रिपोर्ट जमा कराने का आदेश दिया है। इसके बाद इस रिपोर्ट पर कार्रवाई के लिए 45 दिन का समय तय किया है। उन्होंने प्रशासन को यह विचार करने का निर्देश दिया कि क्या मिस्र, लेबनान, जॉर्डन या कहीं और मुस्लिम ब्रदरहुड के चैप्टर को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया जाए। कार्यकारी आदेश में दावा किया गया कि तीनों देशों के मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठन हिंसा और अस्थिरता फैलाने वाले अभियान में शामिल हैं या उन्हें बढ़ावा देते हैं और उनका समर्थन करते हैं। सनद रहे मुस्लिम ब्रदरहुड अंतरराष्ट्रीय इस्लामी संगठन है।

यूक्रेन समर्थन पर दिसंबर समिट में यूरोप को 'महत्वपूर्ण फैसले' लेने होंगे: आयरलैंड के प्रधानमंत्री

डबलिन। आयरलैंड के प्रधानमंत्री मीकाल मार्टिन ने कहा है कि आने वाले दिसंबर में होने वाला यूरोपीय संघ का शिखर सम्मेलन यूक्रेन को समर्थन और उसके भविष्य के वित्तपोषण से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों के लिए निर्णायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि यूरोपीय नेताओं के सामने 'महत्वपूर्ण निर्णय' लेने की जिम्मेदारी है।

मार्टिन ने आज यूक्रेन के शांति-योजना पर हुई ईयू चर्चाओं के बाद बताया कि दिसंबर की बैठक 'एक अहम पल और अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक' होगी, जहां यूरोप को अपने योगदान को ठोस रूप में सामने रखना होगा। उन्होंने कहा कि इस बैठक से पहले काफी तैयारी और काम किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में नेताओं के बीच 'अच्छी और सकारात्मक चर्चा' हुई, लेकिन उसकी वास्तविक प्रगति दिसंबर समिट में ही दिखाई देगी। आयरिश प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को लेकर यूरोपीय नेताओं में मजबूत

समर्थन दिखाई दिया है। उन्होंने कहा कि 'उन्हें उनकी वार्ताओं और प्रयासों में समर्थन जारी रखना महत्वपूर्ण है।' मार्टिन ने यह भी जोर दिया कि यूरोप इस शांति-चर्चा का स्वाभाविक हिस्सा है क्योंकि कई प्रमुख मुद्दे सीधे यूरोपीय संघ से जुड़े हैं- यूक्रेन के दीर्घकालिक वित्तपोषण, यूरोपीय संघ की सदस्यता प्रक्रिया और युद्ध के बाद की सुरक्षा रूपरेखा। उन्होंने कहा कि यूरोप इन सभी मुद्दों पर 'सक्रिय भूमिका' निभा रहा है और आगे भी निभाता रहेगा।

महिला हिंसा में बढ़ोतरी, 9 महीने में 663 रेप केस दर्ज

कीव।

ढाका । अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर बांग्लादेश की दर्दनाक हकीकत बयां करती रिपोर्ट सामने आई है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को एक खौफनाक आंकड़ा पेश किया। बताया कि 2025 के पहले नौ महीनों में ही 663 महिलाओं का रेप हुआ। हर साल 25 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। ढाका के ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी (एचआरएसएस) ने एक आंकड़ा जारी किया है। इसमें महिला हिंसा की खतरनाक तस्वीर पेश की गई है। बताया गया है कि कैसे कानून-व्यवस्था का गलत इस्तेमाल कर महिला अत्याचार में बढ़ोतरी हो रही है। मोहम्मद युनूस की अंतरिम सरकार अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप महिला अधिकारों को रोकने में असफल रही है।

ढाका ट्रिब्यून से बात करते हुए सुल्ताना कमाल ने दावा किया कि बताई गई संख्या देश भर में हो रही बड़े पैमाने पर हिंसा का सिर्फ एक हिस्सा है। उन्होंने कहा, हमें बलात्कार

और ज्यादती का पता तभी चल पाता है जब वो मीडिया तक पहुंचती है, ज्यादातर तब जब कोई हत्या होती है या फिर कोई जघन्य अपराध होता है। कई मामले हैं जो सामने आ ही नहीं पाते। अभी जो हम देख पा रहे हैं वो काफी खौफनाक है। सुल्ताना मानती हैं कि रेप और यौन उत्पीड़न के बढ़ते मामले दर्शाते हैं कि महिला अधिकारों और उनके सम्मान को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'एक आजाद मुल्क जहां सबको अपने इतिहास और संस्कृति पर नाज है, वहां मात्र नौ महीनों में 600 से ज्यादा महिलाओं का बलात्कार शर्मनाक है। ये बताता है कि हमारा परिवार, समाज और पूरा देश महिलाओं की कितनी अनदेखी करता है।' सुल्ताना के अनुसार अपराधी बेखौफ हैं; उन्हें अपराध के बाद दोषी ठहराए जाने का खौफ नहीं है। सजा से बच जाने का भरोसा उन्हें हिम्मत दे रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले अपराधियों के अंदर खौफ था। उन्हें लगता था कि अगर ऐसे अपराध किए तो सजा तय होगी, लेकिन अब उससे वो आजाद हैं। जब महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ ठोस फैसला नहीं लिया जाता तो हिंसा जारी रहती है। ये महिला के सम्मान और उसकी पवित्रता पर सीधा हमला होता है।' इसके अलावा, बांग्लादेश महिला परिषद की अध्यक्ष फवजिया मोस्लेम ने भी माना कि लड़कियों के खिलाफ हिंसा में बढ़ोतरी बहुत चिंताजनक है।

उन्होंने कहा, 'कई महीनों में, लड़कियों पर ज्यादती बढ़ी है। इससे पता चलता है कि हालात कितने बदतर हैं। लॉ एंड ऑर्डर इतनी तेजी से बिगड़ गया है कि महिला विरोधी सोच आम हो गई है।' महिला नेताओं पर हमलों से लेकर आम आने-जाने वालों पर हमलों तक की घटनाओं को हाईलाइट करते हुए, फवजिया ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की कोई एक्शन न लेने के लिए आलोचना की और कहा कि इससे देश में 'महिला विरोधी ताकतों और आतंकियों' को हिम्मत मिली है।

उन्होंने कहा, 'पिछले 10 महीनों में महिला विरोधी दुष्प्रचार बहुत बढ़ गया है। समाज, शिक्षा और कल्चरल तरीकों को बदलना होगा। नहीं तो, इन अपराधों को रोकना बहुत मुश्किल होगा।'

ओली की पार्टी ने संसदीय चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग में अपने दल का पंजीकरण कराया

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेकपा (एमाले) ने संसद विघटन के खिलाफ अदालत में रिट दायर करने के साथ ही प्रतिनिधि सभा चुनाव की तैयारी के तहत निर्वाचन आयोग में दल का पंजीकरण भी कराया है। पार्टी के निर्वाचन विभाग के प्रमुख निरज आचार्य और कार्यालय सचिव डॉ. भीष्म अधिकारी ने आयोग में दल पंजीकरण का आवेदन प्रस्तुत किया। नेपाल के कानूनी प्रावधान के तहत चुनाव में शामिल होने के लिए राजनीतिक दलों का पंजीकरण अनिवार्य है, जिसे हर चुनाव से पहले किया जाता है। पंजीकरण के बाद उन्होंने कहा कि एमाले सभी प्रकार के चुनावों के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने वाला दल है, इसलिए औपचारिक रूप से पंजीकरण कराया गया है। आचार्य ने कहा कि अब उनकी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्वाचन

आयोग ने दल पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर निर्धारित की है। आज मंगलवार तक कुल 66 दल पंजीकृत हो चुके थे, जिनमें एमाले 66वें नंबर पर दर्ज हुआ है। आज ही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी अपने दल का पंजीकरण कराया है।

अमेरिकी संघीय जिला अदालत से जेम्स कॉमी और लेटिटिया जेम्स को राहत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के एक जिला संघीय अदालत के जज कैमरन करी ने संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के पूर्व निदेशक जेम्स कॉमी और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स को बड़ी राहत प्रदान की ।

जज ने दोनों के खिलाफ आरोप पत्र को खारिज करने का आदेश दिया। कॉमी और जेम्स के वकीलों ने तर्क दिया था कि मुकदमे बदले की भावना से चलाए जा रहे हैं। यह मुकदमे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने राजनीतिक दुश्मनों को सजा देने की कोशिश से प्रेरित हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जज ने कहा कि इन मामलों के लिए अंतरिम अटॉर्नी लिंडसे हॉलिगन की नियुक्त गलत तरीके से हुई। करी ने जेम्स कॉमी के मामले में अपनी राय में

लिखा, मैं इस नतीजे पर पहुंची हूं कि हैलिगन की गलत नियुक्ति ताकत का का गैर-कानूनी इस्तेमाल है। इसलिए मुकदमे को रद्द कर देना चाहिए। जेम्स ने एक बयान में कहा, आज की जीत से मैं बहुत खुश हूं और देश भर से मिली दुआओं और सहयोग के लिए शुक्रगुजार हूं। मैं इन बेबुनियाद आरोपों के बावजूद निडर हूं और हर दिन न्यूयॉर्क के लोगों के लिए लड़ता रहूंगा। उन्होंने कहा कि अदालत ने संदेश दिया है कि राष्ट्रपति अपने राजनीतिक दुश्मनों को निशाना बनाने के लिए न्याय विभाग का इस्तेमाल नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, मैं शुक्रगुजार हूं कि अदालत ने मेरे खिलाफ केस खत्म कर दिया। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि न्याय विभाग इस फैसले के खिलाफ अपील करेगा।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि इस मामले में वकील लिंडसे हैलिगन की नियुक्ति में कुछ भी गलत नहीं किया गया। जज ने कहा कि दस्तावेजों से साफ है कि हैलिगन 22 सितंबर से गैर-कानूनी तरीके से अंतरिम अटॉर्नी के तौर पर काम कर रही हैं। कॉमी पर 25 सितंबर को और जेम्स पर नौ अक्टूबर को आरोप लगाए गए थे।

इथियोपिया के मेटेकेल जोन में ओरोमो लिबरेशन आर्मी के हमले में 40 से ज्यादा लोग मारे गए

एजेंसी

अदीस अबेबा (इथियोपिया)। पूर्वी अफ्रीका के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य इथियोपिया के अशांत मेटेकेल जोन के बाकुजी केबेले और बेनिशांगुल-गुमुज क्षेत्र के बुलेन वोरेडा में ओरोमो लिबरेशन आर्मी असंतुष्ट धड़े के हमले में 40 से ज्यादा लोग मारे गए। यह धड़ा खुद को शेने मिलिटेंट्स कहता है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावरों ने शनिवार सुबह पांच बजे से रात आठ बजे तक घरों में घुसकर स्त्री, पुरुष और बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। इथियोपियाई पत्रिका अदीस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, बाकुजी केबेले के एक व्यक्ति ने बताया कि कहीं-कहीं तो एक ही परिवार के पांच सदस्यों को गोलियों से भून दिया गया। इस व्यक्ति ने मारे गए लोगों की संख्या 44 बताई। इस व्यक्ति ने कहा

शेने मिलिटेंट्स के हाथों में बंदूकें और चाकू थे।यह लोग कई घरों के दरवाजे तोड़कर अंदर घुसे। इस हमले के बाद खेतिहर और दिहाड़ी मजदूर यह इलाका छोड़कर भाग गए। जिनके खेत हैं, वही लोग यहां बचे हैं।

इस दौरान इनको स्थानीय मिलिशिया के सदस्यों से संघर्ष का सामना भी करना पड़ा। बुलेन वोरेडा के उप प्रशासक शिबेशी बारेडा ने कहा कि बेगुनाह नागरिकों निशाना बनाया गया। प्रशासक नेमेरा मारू ने कहा यह निंदनीय है। उन्होंने आगे कहा कि शेने मिलिटेंट निशाना बनाए गए जोन के पांच से 10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया हमले के दौरान 10 से ज्यादा मिलिटेंट मारे गए।

प्रधानमंत्री से मिलने का समय नहीं मिलने पर नाराज हुआ नेपाल का जेन जी समूह

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात न हो पाने के बाद जेन-ज़ी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

मीराज ढुंगाना और सुदन गुरूंग के नेतृत्व में यह समूह प्रधानमंत्री की निजी सचिव आदर्श श्रेष्ठ पर कथित रूप से अपने रिश्तेदारों और अपनी पत्नी को सरकारी पदों पर नियुक्त करने के आरोपों को लेकर एक ज्ञापन सौंपने पहुंचा था। कार्यकर्ताओं के अनुसार उन्हें प्रधानमंत्री से मिलने के लिए समय नहीं दिया गया, जिसके चलते उन्होंने कार्यालय परिसर के बाहर नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। सोमवार पूरे दिन प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से संपर्क करने की कोशिश के बावजूद मोबाइल फोन स्विच ऑफ रखने तथा संपर्क नहीं करने देने का आरोप जेन-ज़ी कार्यकर्ताओं ने लगाया है। जेन-ज़ी कार्यकर्ता सुशील बुढाथोकी ने बताया कि हम सुबह से लगातार फोन करने की कोशिश कर रहे थे। उनका फोन नहीं उठा। अब जब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों के फोन बंद हैं, तो हम उनसे कैसे मिलें?' टेलीफ़ोनिक संपर्क न हो पाने के कारण समूह को सिंहदरबार के दक्षिणी गेट पर ही ज्ञापन पत्र दीवार पर चिपकाकर वापस लौटना पड़ा।

प्रवासी नेपाली नागरिकों को मतदान सुविधा मुहैया करवाने में विदेश मंत्रालय असमर्थ

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय का कहना है कि विदेशों में बसे नेपाली नागरिकों के लिए किसी प्रकार से मतदान की व्यवस्था बनाना सम्भव नहीं है। थिंक टैंक नीति अनुसन्धान प्रतिष्ठान ने विदेशों में कार्यरत नेपाली नागरिकों को तीन प्रकार के मतदान-विकल्प उपलब्ध कराने के उपायों पर एक अध्ययन सरकार को प्रस्तुत किया था – जिसमें दूतावास में व्यक्तिगत उपस्थिति द्वारा मतदान, तकनीक-सहायित डाक मतदान और इंटरनेट मतदान शामिल थे। विदेश मन्त्रालय ने विश्वभर में फैले नेपाली दूतावासों-मिशनों को पत्र लिखकर पूछा था कि विदेश-स्थलीय मतदान संभव है या नहीं। इस पर मिशनों से मिली प्रतिक्रिया के बाद दूतावासों में उपस्थित होकर मतदान करवाना सम्भव न होने का निष्कर्ष निकाला गया। नीति अनुसन्धान प्रतिष्ठान के अध्ययन में कहा गया कि विदेश में नेपाली मिशनों में औसतन केवल 4.2 कर्मचारी हैं, जिससे मतदान व्यवस्था सम्भव नहीं है। नेपाल के 44 देशों में मिशन हैं, जहाँ कुल 186 कर्मचारी कार्यरत हैं। उदाहरणतः मलेशिया में 22, जबकि कुछ महावाणिज्य दूतावासों में मात्र 2 कर्मचारी हैं। नीति अनुसन्धान प्रतिष्ठान ने सुझाव दिया कि यदि व्यक्ति-उपस्थिति द्वारा मतदान करवाना हो तो नेपाल से कर्मचारी भेजना पड़ेगा। विदेश में नेपाली नागरिकों को मतदान सुविधा उपलब्ध कराने में मंत्रालय ने निम्नलिखित दस प्रमुख चुनौतियाँ उजागर की हैं:

1. तथ्यांक-अभावः मंत्रालय के अनुसार लगभग 111 देशों में संस्थागत रूप से तथा 178 देशों में नेपाली नागरिक हैं, परंतु यह सुनिश्चित तथ्य नहीं कि 'कितने नेपाली कहाँ हैं'। उदाहरणस्वरूप यूएई के आबूधाबी व दुबई में कितने नेपाली है, इसका कोई आंकड़ा नहीं है – इसलिए मतदान केन्द्र कहाँ खोलें, यह तय करना मुश्किल है।

2. सुरक्षा में जटिलताएँः विदेश स्थित दूतावासों को स्थानीय सरकार द्वारा 2 सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराए जाते हैं। यदि नेपाल को खुद व्यवस्था करनी पड़े तो यह महँगा और अनिश्चित होगा। यदि विदेशी देश के सुरक्षाकर्मी उल्लंघन करें, तो कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकता है।

3. दूतावास में पर्याप्त स्थान नहीं: कई दूतावास कम फ्लोर या अपार्टमेंट में हैं – उदाहरण के लिए ग्वाङ्झो में नेपाली मिशन 21वें तल पर, न्यू यॉर्क में 17वें तल पर, मलेशिया में 22वें तल पर। ऐसी स्थिति में लाइन लगाकर मतदान करना बेहद चुनौतीपूर्ण है।

4. कर्मचारी व प्रवासी नागरिकों के बीच तनावः विदेश में नेपाली कर्मचारी एवं प्रवासी नागरिक दूतावास व सरकार के प्रति नकारात्मक रवैया रखते हैं, जिससे मतदान के दौरान कर्मचारी सुरक्षा व व्यवस्था में समस्या उत्पन्न हो सकती है। 5. दूतावास के बाहर मतदान व्यवस्था का प्रश्नः यदि दूतावास नहीं चल सके तो स्कूल या सामुदायिक स्थल भाड़ा पर लिए जाने पड़ेंगे – इसके लिए भी सुरक्षा तथा व्यवस्थापन की जिम्मेदारी सरकार पर होगी। उदाहरणस्वरूप कुवैत में एक स्कूल-स्थल के लिए मिस्र ने 6 हजार दिनार भाड़ा चुकाया था, जबकि मात्र 15 हजार मतदाता ही आए थे। 6. मतदान दिवस की चुनौतियाँः विदेश में शिफ्ट व छुट्टियाँ का समय भिन्न है – उदाहरण के लिए खाड़ी देश जहाँ रविवार कामकाजी दिन हो सकता है। कर्मचारियों को दूतावास आने-जाने में घंटों लग सकते हैं।

7. कहाँ दूतावास नहीं हैः कुछ देशों में नेपाल का कोई मिशन नहीं है – उदाहरणस्वरूप कैरेबियाई देश तथा सूडान। ऐसे स्थानों में मतदान व्यवस्था कैसे हो सकेगी, यह तय नहीं है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/26/2025 12:21 AM Page 2

सर्दी के मौसम में दुधारू पशुओं की देखभाल

नवजात एवं बढ़ते बछड़े-बछबड़ियों को सर्दी व शीट लहर से बचाव की विशेष आवश्यकता होती है। इन्हें रात के समय बंद कमरे या चरों ओर से बंद शेड के अंदर रखना चाहिए पर प्रवेश द्वारा का पर्दा/दरवाजा हल्का खुला रखें जिससे कि हवा आ जा सके। तिरपाल, पौलिथिन शीट या खस की टाट/पर्दा का प्रयोग करके पशुओं को तेज हवा से बचाया जा सकता है।

उत्तरी क्षेत्र में वर्ष के चार महीने नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी और फरवरी का समय शरद ऋतु माना जाता है। डेरी व्यवसाय के लिए यह सुनहरा काल होता है क्योंकि अधिकतर गायें एवं भैसें इन्हीं महीनों में व्याती हैं। जो गाय व भैसें अक्तूबर या नवम्बर में ब्याती है, उनके लिए समय अधिकतम दूध उत्पादन का होता है। यह काल दुधारू पशुओं, विशेषकर भैसों, के प्रजनन के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि अमूमन भैंस इसी मौसम में गाभिन होती है। कड़ी सर्दी के कारण इन दिनों में विभिन्न रोगों से ग्रसित होकर नवजात बच्चों की मृत्युदर भी अधिक हो जाती है। इसलिए दुधारू पशुओं से अधिक उत्पादन व अच्छे प्रजनन क्षमता बनाये रखने के लिए सर्दी के मौसम में पशुओं के रख-रखाव के कुछ विशेष उपाय किये जाने को आवश्यकता होती है, जिनका उल्लेख इस लेख में किया गया है।

आहार एवं जल प्रबन्धन

अधिक सर्दी के मौसम में, सर्दी के प्रभाव से बचने हेतु दुहारू पशुओं की उर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। इसे पूरा करने के लिए दुधारू पशुओं को प्रतिदिन 1 किलोग्राम दाना मिश्रण प्रति पशु, उनकी अन्य पोषण आवश्यक्ता के अतिरिक्त खिलाना चाहिए, जिससे दुधारू पशुओं का दुग्ध उत्पादन बना रहता है।

दुधारू व गाभिन पशुओं को अच्छी गुणवत्ता के हरे चारे जैसे बरसीम व जई की भरपेट उपलब्धता के साथ-साथ सुखा चारा जैसे गेंहूँ की तुड़ी (कम से कम 2-3 किलोग्राम प्रति पशु प्रतिदिन) भी अवश्य खिलाएं इससे इस मौसम में पशु में अधिक उर्जा बनी रहती है। खनिज-मिश्रण में फास्फोरस की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को गीला चारा बिलकुल न दें, अन्यथा अफरा होने की संभावना बढ़ जाती है। जाड़े के दिनों में पशु को हरा चारा जरुर खिलाएं और कम लागत में अधिक दूध पाएं।

अत्यधिक दूध देने वाली गायों व भैसों के राशन में फु-फेंट सोयाबीन या बिनौले का इस्तेमाल करके राशन की ऊष्मा सघनता को बढ़ाया जा सकता है, जिससे इन पशुओं का दुग्ध उत्पादन बना रहता है।इन दोनों पशुओं के पीने का पानी अक्सर अधिक ठंडा होता है, जिसे पशु कम मात्रा में पीते हैं। इसलिए यह ध्यान रखा जाए कि पानी का तापमान बहुत कम न हो। सामान्यत: पशु 15-20 सेंटीग्रेड पानी के तापमान को अधिक पसंद करते हैं। कोशिश करें कि पशुओं के लिए ताजे पानी की व्यवस्था हो एवं ओवरहेड टैंक के ठन्डे पानी को पशुओं को न पिलाएं।

वातावरण में धुंध व बारिश के कारण अक्सर पशुओं के बाड़ों के फर्श गीले रहते हैं जिससे पशु ठन्डे में बैठने से कतराते हैं। अत: इस मौसम में अच्छी गुणवत्ता का बिछावन तैयार करें, जिससे कि उनका बिछावन 6 इंच मोटा हो जाए। इस बिछावन को प्रतिदिन बदलने की भी आवश्यकता होती है। रेत या मेट्रेस्स का बिछावन पशुओं के लिए सर्वोत्तम माना गया है क्योंकि इसमें पशु दिनभर में 12-14 घंटे से अधिक आराम करते हैं, जिससे पशुओं की उर्जा क्षय कम होती है।

ठण्ड में पैदा वाले बछड़े-बछबड़ियों के शरीर को बोरी, पुआल आदि से रगड़ कर साफ करें, जिससे उनके शरीर को गर्मी मिलती रहें और रक्तसंचार भी बढ़े। ठण्ड में बछड़े-बछबड़ियों का विशेष ध्यान रखे, जिससे कि उनकी सफेद दस्त, निमोनिया आदि रोगों से बचाया जा सके। याद रहे, कि पशुघर के चारों तरफ से ढक का रखने से अधिक नमी बनती है, जिससे रोग जनक कीटाणु के बढ़ने की संभावना होती है। ध्यान रहे, कि छोटे बच्चों के बाड़ों के अदंर का तापमान 7-80 सेंटीग्रेड से कम न हो। यदि आवश्यक समझें, तो रात के समय इन शेडों में हीटर का प्रयोग भी किया जा सकता है। बछड़े-बछबड़ियों को दिन के समय बाहर धुप में रखना चाहिए तथा कुछ समय के लिए उन्हें खुला छोड़ दें, ताकि वे दौड़-भाग कर स्फ्रुतिवान हो जाएँ। अधिकतर पशु पालक सर्दियों में रात के समय अपने पशुओं को बंद कमरे में बांध का रखते हैं और सभी दरवाजे खिड़कियों बढ़ कर देते हैं, जिससे कमरे के अंदर का तापमान काफी बढ़ जाता है उअर कई दूषित गैसें भी इकट्ठी हो जाती है,जो पशु के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। अत: ध्यान रखें कि दरवाजे-खिड़कियाँ पूर्णतय: बंद न हो। अत्यधिक ठण्ड में पशुओं को नहलाएं नहीं, केवल उनकी ब्रुश से सफाई करे, जिससे की पशुओं के शरीर से गोबर, मिट्टी आदि साफ हो जाएं। सर्दियों के मौसम में पशुओं व छोटे बछड़े-बछबड़ियों को दिन में धुप के समय हो ताजे/गुनगुने पानी से ही नहलाएं। अधिक सर्दी के दिनों में दुधारू पशुओं के दूध निकालने से पहले केवल पशु के पिछवाड़े, अयन व थनों को अच्छी प्रकार ताजे पानी से धोएं। ठंडे पानी से थनों को ढोने से दूध उतरना/लेट-डाउन अच्छी प्रकार से नहीं होता और दूध दोहन पूर्ण रूप से नहीं हो पाता। इस मौसम में अधिकतर दुधारू पशुओं के थनों में दरारें पड़ जाती है, ऐसा होने पर दूध निकालने के बाद पशुओं के थनों पर कोई चिकानी युक्त/एंटीसेप्टिक क्रीम अवश्य लगायें अन्यथा थनैला रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। दूध दुहने के तुरंत बाद पशु का थनछिद्र खुला रहता है जो थनैला रोग का कारक बन सकता है, इसलिए पशु को खाने के लिए कुछ दे देना चाहिए जिससे कि वह लगभग आधे घंटे तक बैठे नहीं, ताकि उनका थनछिद्र बंद हो जाए। बरसीम में गुणसूत्र के आधार पर दो प्रकार की प्रजातियाँ द्विगुणित तथा चतुगुर्णिक पायी जाती है।

द्विगुणित - मिसकावी, वरदान, बरसीम लुधियाना-1

चतुगुर्णित - पूसा जायन्ट, टाइप-526, 678, 780

एक जुताई पलट हल से करने के बाद 4-5 बार हैरो तथा देशी हल लगाकर पाटा से खेत समतल कर लेना चाहिये। आवश्यकतानुसार समान सिंचाई हेतु क्यारियां भी बना लेनी चाहिये। बरसीम रबी मौसम में दलहनी चारा प्राप्त करने के लिए यह सबसे उपयुक्त फसल है। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण मृदा की उर्वरता में वृद्धि करती है तथा इसका चारा अत्यन्त पौष्टिक, मुलायम, सुपाच्य तथा पशुओं को स्वाद में अच्छा लगने वाला होता है। अत: इसे दुधारू पशुओं को खिलाने से दूध में वृद्धि तथा शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति अच्छे परिणाम मिलते हैं। इन्हीं गुणों के कारण शहर के निकटस्थ क्षेत्रों में बरसीम की खेती से अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है तथा इसका प्रयोग हरी खाद के रूप में करना भी लाभदायक होता है, ठण्डे मौसम में लगातार हरा चारा प्राप्त करने के लिए यह सबसे उपयुक्त फसल है।रसायनिक संगठन की दृष्टि से बरसीम में 20त्न प्रोटीन, 28-30त्न रेशा तथा शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अन्य खनिज लवण जैसे कैल्सियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, सोडियम तथा पोटेशियम आदि पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। बरसीम शीतोष्ण जलवायु वाले भागों में उगाई जाने वाली चारा फसल है। अधिक ठण्ड व पाले में उत्पादन में कमी हो जाती है। बुवाई के समय 25-30 डिग्री सेंटीग्रेड तथा वानस्पतिक वृद्धि के लिये 15-25 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है। तापमान 40 डिग्री सें.ग्रे. से अधिक होने पर पौधों की कटाई के बाद दुबारा वृद्धि नहीं होती परन्तु फसल से यदि बीज का उत्पादन लेना होता है तो फसल पकने के समय कुछ अधिक तापक्रम की आवश्यकता होती है। अत- इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश की जलवायु बरसीम की खेती के लिये उपयुक्त है।

वानस्पतिक वृद्धि के लिये 15-25 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है। तापमान 40 डिग्री सें.ग्रे. से अधिक होने पर पौधों की कटाई के बाद दुबारा वृद्धि नहीं होती परन्तु फसल से यदि बीज का उत्पादन लेना होता है तो फसल पकने के समय कुछ अधिक तापक्रम की आवश्यकता होती है। बरसीम एक दलहनी फसल है अत- इसकी जड़ों में सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं प्रत्येक अवस्था में इन जड़ ग्रन्थियों में रह रहे जीवाणुओं का क्रियाशील रहना फसल की अच्छी वृद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है। अत- बरसीम की खेती के लिए भूमि में उचित जल निकास का प्रबन्ध तथा अच्छा मृदा वायु संचार होना चाहिए। इसकी खेती सभी प्रकार की भूमियों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। परन्तु भारी दोमट मिट्टी वाली भूमि जिसमें कि जल धारण क्षमता अधिक होती है, में अच्छी उपज प्राप्त होती है। बरसीम की खेती सामान्य से क्षारीय प्रकृति की भूमि में अच्छी प्रकार से उगाई जाती है किन्तु अम्लीय भूमि इसकी खेती के लिये अनुकूल नहीं है। पानी भरे खेत में पटेला चलाकर पानी गंदला करने के पश्चात छिटकवां विधि से बुवाई की जाती है। इस विधि में खेत की तैयारी धान में पौध रोपण करने की भाँति की जाती है। गंदले पानी में बुवाई करने से मिट्टी की एक हल्की पर्त बीजों के ऊपर के ऊपर चढ़ जाते है जिससे वे ढंक जाते हैं तथा उन्हें चिडिया या दूसरे पक्षी नहीं खा पाते तथा पर्याप्त नमी होने के कारण बीज का अंकुरण व जमाव बहुत अच्छा होता है। इस विधि में अच्छी प्रकार की भुरभुरी मिट्टी तैयार कर समतल किये गये खेत में पहले ही सिंचाई की क्यारियां बनाकर बुवाई छिटकवां विधि द्वारा या लाइन में देशी हल की सहायता से की जाती है। लाइन की बुवाई करने पर लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी. रखनी चाहिये तथा बीज की गहराई 15-20 सेमी. से ज्यादा गहरी नहीं होनी चाहिये तथा अंकुरण हेतु पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिये बुवाई के तुरन्त बाद खेत में पानी लगा दिया जाता है। द्विगुणित किस्मों की बीजदर 25 किग्रा./हे. तथा चतुर्गुणित किस्मों का बीज आकार में बड़ा होने के कारण 30-40 किग्रा./हे. होती है। बीज का उपचार दलहनी फसल होने के कारण राइजोबियम कल्चर से होना अति आवश्यक है। बरसीम में राइजोबियम ट्राईफोली नामक बैक्टीरिया का कल्चर प्रयोग में लाया जाता है जिसके प्रयोग से पौधों में अच्छी प्रकार से जड़ गाँठ का निर्माण होता है। जड़ की गाँठो में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमण्डल से नाइट्रोजन प्राप्त करते हैं कल्चर प्रयोग हेतु सर्वप्रथम 100 ग्राम गुड़ को 1 लीटर पानी में उबालकर, ठण्डा कर लेते हैं, तत्पश्चात इसमें राइजोबियम कल्चर को घोल लेते हैं तथा बीज के बराबर मात्रा में भुरभुरी मिट्टी लेकर धीरे-धीरे छिड़ककर इस प्रकार मिलाते हैं कि मिट्टी ढेले ना बने । तैयार संवर्धित घोल इस प्रकार से तैयार की गई कल्चर युक्त मिट्टी को 24 घण्टे भिगोये गये बीज के साथ मिलाकर बुवाई हेतु प्रयोग कर लेते हैं। ध्यान रखने योग्य बात यह है कि कल्चर बीज को 24 घण्टे से अधिक नहीं रखना चाहिये अन्यथा बैक्टीरिया नष्ट होने लगते हैं। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण इसकी जड़ों में राइजोबियम बैक्टीरिया होते हैं जो स्वयं वायुमण्डल से नत्रजन फिक्स करते है। अत- फसल को बाहर से कम नाइट्रोजन देने की आवश्यकता पड़ती है उन्नत फसल के उत्पादन हेतु 25-30 किग्रा. नत्रजन तथा 50-60 किग्रा. फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है। अधिक उपज लेने के लिये प्रत्येक कटाई के बाद पानी लगाकर 5-6 किग्रा./हेक्टेयर की दर से यूरिया का छिड़काव करना चाहिये। लक्षण दिखाई पडने पर सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग करना लाभकारी है। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण इसकी जड़ों में राइजोबियम होते हैं जो स्वयं वायुमण्डल से नत्रजन फिक्स करते है। अत- फसल को बाहर से कम नाइट्रोजन देने की आवश्यकता पड़ती है उन्नत फसल के उत्पादन हेतु 25-30 किग्रा. नत्रजन तथा 50-60 किग्रा. फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है। अधिक उपज लेने के लिये प्रत्येक कटाई के बाद पानी लगाकर 5-6 किग्रा./हेक्टेयर की दर से यूरिया का छिड़काव करना चाहिये। लक्षण दिखाई पडने पर सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग करना लाभकारी है। बरसीम में ठण्डे मौसम में (मार्च माह तक) 15-20 दिन के अन्तर पर तथा मार्च के बाद 10-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई की आवश्यकता होती है तथा प्रत्येक कटाई के बाद हल्का पानी लगा देने से उत्पादन में वृद्धि होती है। खरीफ की फसल के बाद रबी मौसम में बरसीम की खेती सुगमता पूर्वक की जा सकती है। बरसीम की खेती से अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु निम्न प्रकार से फसल चक्र अपनाने पर मृदा की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ-साथ अधिकतम आय प्राप्त की जा सकती है

बहुमंजिल कृषि के सिद्धांत

भारत में विश्व की 3 प्रतिशत भूमि एवं 4 प्रतिशत जल राशी, किन्तु पूरे विश्व की 17 प्रतिशत आबादी है अर्थात हमारे देश में भूमि एवं जल संसाधन कम परन्तु जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है। देश में कृषि योग्य भूमि 14.3 करोड़ हेक्टेयर से अधिक बढ़ने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में बढती आबादी,घटते संसाधन को देखते हुए जनसँख्या का भरण पोषण एक चुनौती है। भारत में खेती योग्य भूमि का क्षेत्रफल सीमित है और दिन प्रतिदिन शहरीकरण, उध्योगिकीकरण, मकान बनते जाने के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। तेजी से बढती जनसँख्या की खाद्यान्न आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रति इकाई क्षेत्रफल में भूमि की उत्पादकता बढ़ाने हेतु दो विकल्प मौजूद है

पहला- प्रतिवर्ष कृषि योग्य भूमि में दो या दो से अधिक फसलों को उगाया जाये, परन्तु ऐसा करने के लिए सिंचाई का साधन होना अति आवश्यक है। अभी भी भारत में सिर्फ 35-40 प्रतिशत क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा है और इसलियें भारत में फसल सघनता 137 प्रतिशत है अर्थात एक फसली क्षेत्रफल अधिक है।

दूसरा- अब दूसरा विकल्प बचता है कि एक साथ एक ही क्षेत्रफल पर कई फसलें उगाकर बढ़ती हुई जनसंख्या के भोजन एवं खान-पान की अन्य वस्तुओं की पूर्ति की जा सकें। दूसरे विकल्प को सफल बनाने के लिए बहुपयोगी वृक्ष एवं खाद्यान्न और सब्जी फसलों में से चुनकर उन्हें इस प्रकार से उगाया जाता है जिससे विभिन्न फसलों की उपज विभिन्न ऊंचाइयों से प्राप्त की जा सकती है। इस प्रकार की बहुउद्देशीय खेती को बहुमंजिला अथवा बहुस्तरीय कृषि कहा जाता है। हमारे देश में 80 प्रतिशत से अधिक किसान सीमान्त एवं लघु कृषकों की श्रेणी में आते है। ऐसे किसान बहुस्तरीय खेती अपनाकर अपने सीमित क्षेत्र से अधिकतम उत्पादन एवं आमदनी अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकते है।

क्या है बहुमंजिला कृषि

बहुमंजिला खेती का मुख्य उद्देश्य प्रति इकाई क्षेत्रफल एवं समय पर विविध प्रकार की फसलों को इस प्रकार से उगाना है जिससे खेती के लिए आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों यथा प्रकाश, जल, भूमि,जल तथा पोषक तत्वों का कुशल उपयोग हो और सीमित क्षेत्रफल से अधिक से अधिक पैदावार प्राप्त की जा सके। इसमें बहुपयोगी वृक्षों के साथ खाद्यान्न अथवा सब्जी वाली फसलों को उगाया जाता है। एक वर्षीय फसलों में बहुफसली खेती की अच्छी संभावनाएं है परन्तु बहुवर्षीय पौधों के साथ मिश्रित खेती एक नई शुरुवात है।

वर्तमान में इस प्रकार की खेती दक्षिण भारतीय राज्यों यथा केरल, कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र के कुछ भागों तथा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में अधिक प्रचलित है। लंबी अवधि तक वर्षा होने वाले इन क्षेत्रों की प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में पौधे बहुमंजिला तरीके से व्यवस्थित होते हैं और अपनी प्रकृति के अनुसार अलग अलग ऊँचाई तक जाते हैं। इन पौधों के बीच जैव अजैव संबंधों और उर्जा के आदान प्रदान से सभी के सह-अस्तित्व के लिये आवश्यक प्राकृतिक संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

दक्षिण भारत के अलावा उत्तर एवं मध्य भारत में भी बहुस्तरीय खेती सफलता पूर्वक की जाने लगी है। प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण, टिकाऊ खाद्यान्न उत्पादन और प्रति इकाई किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बहुस्तरीय कृषि को बढ़ावा देने की महती आवश्यकता है।

बहुमंजिल कृषि के सिद्धांत

बहुमंजिला या बहु-स्तरीय खेती की सफलता इसके अंतर्गत उगाई जाने वाली फसलों का चुनाव एवं उनकी अग्र-प्रस्तुत विशेषताओं पर निर्भर करती है।

1. फसलों का चुनाव इस प्रकार से करना चाहिए कि उनमें प्रकाश, पोषक तत्व और जल के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा कम से कम हो ताकि वह एक दूसरे को प्रभावित किये बिना स्वतंत्र रूप से वृद्धि कर सकें।

बरसीम- पौष्टिक दलहनी चारा फसल

बरसीम रबी मौसम में दलहनी चारे की एक महत्वपूर्ण फसल है। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण मृदा की उर्वरता में वृद्धि करती है तथा इसका चारा अत्यन्त पौष्टिक, मुलायम, सुपाच्य तथा पशुओं को स्वाद में अच्छा लगने वाला होता है। अत- इसे दुधारू पशुओं को खिलाने से दूध में वृद्धि तथा शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति अच्छे परिणाम मिलते हैं। इन्हीं गुणों के कारण शहर के निकटस्थ क्षेत्रों में बरसीम की खेती से अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है तथा इसका प्रयोग हरी खाद के रूप में करना भी लाभदायक होता है, ठण्डे मौसम में लगातार हरा चारा प्राप्त करने के लिए यह सबसे उपयुक्त फसल है।

रसायनिक संगठन की दृष्टि से बरसीम में 20-2त्न प्रोटीन, 28-30त्न रेशा तथा शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अन्य खनिज लवण जैसे कैल्सियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, सोडियम तथा पोटेशियम आदि पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं।

बरसीम शीतोष्ण जलवायु वाले भागों में उगाई जाने वाली चारा फसल है। अधिक ठण्ड व पाले में उत्पादन में कमी हो जाती है। बुवाई के समय 25-30 डिग्री सेंटीग्रेड तथा वानस्पतिक वृद्धि के लिये 15-25 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है। तापमान 40 डिग्री सें.ग्रे. से अधिक होने पर पौधों की कटाई के बाद दुबारा वृद्धि नहीं होती परन्तु फसल से यदि बीज का उत्पादन लेना होता है तो फसल पकने के समय कुछ अधिक तापक्रम की आवश्यकता होती है। अत- इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश की जलवायु बरसीम की खेती के लिये उपयुक्त है।

बरसीम एक दलहनी फसल है अत- इसकी जड़ों में सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं प्रत्येक अवस्था में इन जड़ ग्रन्थियों में रह रहे जीवाणुओं का क्रियाशील रहना फसल की अच्छी वृद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है। अत- बरसीम की खेती के लिए भूमि में उचित जल निकास का प्रबन्ध तथा अच्छा मृदा वायु संचार होना चाहिए। इसकी खेती सभी प्रकार की भूमियों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। परन्तु भारी दोमट मिट्टी वाली भूमि जिसमें कि जल धारण क्षमता अधिक होती है, में अच्छी उपज प्राप्त होती है। बरसीम की खेती सामान्य से क्षारीय प्रकृति की भूमि में अच्छी प्रकार से उगाई जाती है किन्तु अम्लीय भूमि इसकी खेती के लिये अनुकूल नहीं है।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बरसीम में गुणसूत्र के आधार पर दो प्रकार की प्रजातियाँ द्विगुणित तथा चतुगुर्णिक पायी जाती है। द्विगुणित - मिसकावी, वरदान, बरसीम लुधियाना-1

चतुगुर्णित - पूसा जायन्ट, टाइप-526, 678, 780

एक जुताई पलट हल से करने के बाद 4-5 बार हैरो तथा देशी हल लगाकर पाटा से खेत समतल कर लेना चाहिये। आवश्यकतानुसार समान सिंचाई हेतु क्यारियां भी बना लेनी चाहिये।

बुवाई की विधि- बरसीम की बुवाई की दो प्रमुख विधियाँ निम्न प्रकार से है-

पानी भरे खेत में पटेला चलाकर पानी गंदला करने के पश्चात छिटकवां विधि से बुवाई की जाती है। इस विधि में खेत की तैयारी धान में पौध रोपण करने की भाँति की जाती है। गंदले पानी में बुवाई करने से मिट्टी की एक हल्की पर्त बीजों के ऊपर के ऊपर चढ़ जाते है जिससे वे ढंक जाते हैं तथा उन्हें चिडिया या दूसरे पक्षी नहीं खा पाते तथा पर्याप्त नमी होने के कारण बीज का अंकुरण व जमाव बहुत अच्छा होता है।

सूखे खेत में बुवाई

इस विधि में अच्छी प्रकार की भुरभुरी मिट्टी तैयार कर समतल किये गये खेत में पहले ही सिंचाई की क्यारियां बनाकर बुवाई छिटकवां विधि द्वारा या लाइन में देशी हल की सहायता से की जाती है। लाइन की बुवाई करने पर लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी. रखनी चाहिये तथा बीज की गहराई 15-20 सेमी. से ज्यादा गहरी नहीं होनी चाहिये तथा अंकुरण हेतु पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिये बुवाई के तुरन्त बाद खेत में पानी लगा दिया जाता है।

द्विगुणित किस्मों की बीजदर 25 किग्रा./हे. तथा चतुर्गुणित किस्मों का बीज आकार में बड़ा होने के कारण 30-40 किग्रा./हे. होती है।

बीज का उपचार दलहनी फसल होने के कारण राइजोबियम कल्चर से होना अति आवश्यक है। बरसीम में राइजोबियम ट्राईफोली नामक बैक्टीरिया का कल्चर प्रयोग में लाया जाता है जिसके प्रयोग से पौधों में अच्छी प्रकार से जड़ गाँठ का निर्माण होता है।

जड़ की गाँठो में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमण्डल से नाइट्रोजन प्राप्त करते हैं कल्चर प्रयोग हेतु सर्वप्रथम 100 ग्राम गुड़ को 1 लीटर पानी में उबालकर, ठण्डा कर लेते हैं, तत्पश्चात इसमें राइजोबियम कल्चर को घोल लेते हैं तथा बीज के बराबर मात्रा में भुरभुरी मिट्टी लेकर धीरे-धीरे छिड़ककर इस प्रकार मिलाते हैं कि मिट्टी ढेले ना बने ।

तैयार संवर्धित घोल इस प्रकार से तैयार की गई कल्चर युक्त मिट्टी को 24 घण्टे भिगोये गये बीज के साथ मिलाकर बुवाई हेतु प्रयोग कर लेते हैं। ध्यान रखने योग्य बात यह है कि कल्चर बीज को 24 घण्टे से अधिक नहीं रखना चाहिये अन्यथा बैक्टीरिया नष्ट होने लगते हैं।बरसीम दलहनी फसल होने के कारण इसकी जड़ों में राइजोबियम बैक्टीरिया होते हैं जो स्वयं वायुमण्डल से नत्रजन फिक्स करते है। अत- फसल को बाहर से कम नाइट्रोजन देने की आवश्यकता पड़ती है उन्नत फसल के उत्पादन हेतु 25-30 किग्रा. नत्रजन तथा 50-60 किग्रा. फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है।

अधिक उपज लेने के लिये प्रत्येक कटाई के बाद पानी लगाकर 5-6 किग्रा./हेक्टेयर की दर से यूरिया का छिड़काव करना चाहिये। लक्षण दिखाई पडने पर सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग करना लाभकारी है।

बरसीम में ठण्डे मौसम में (मार्च माह तक) 15-20 दिन के अन्तर पर तथा मार्च के बाद 10-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई की आवश्यकता होती है तथा प्रत्येक कटाई के बाद हल्का पानी लगा देने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

खरीफ की फसल के बाद रबी मौसम में बरसीम की खेती सुगमता पूर्वक की जा सकती है। बरसीम की खेती से अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु निम्न प्रकार से फसल चक्र अपनाने पर मृदा की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ-साथ अधिकतम आय प्राप्त की जा सकती है।

धान - बरसीम
मक्का - बरसीम, कपास - बरसीम
ज्वार या मक्का (चारे के लिय) - बरसीम
मक्का (दाना) - बरसीम - मक्का (चारा)
मक्का (दाना) - बरसीम
सूडान घास - बरसीम
ज्वार या बाजरा-बरसीम-मक्का-लोबिया

फसल सुरक्षा

चारे की फसल होने के कारण चूंकि बार-बार कटाई की जाती है। अत- रोग तथा कीड़ो का प्रकोप प्राय- नहीं दिखाई पड़ता है अत- फसल सुरक्षा के उपायों की आवश्यकता पड़ती है परन्तु रोग प्रतिरोधी किस्म की प्रजातियां बोने से जड़ गलन, सुलझा तथा गेरूई जैसे रोगों को संभावना भी नहीं रहती है। इसलिये बुवाई के लिये उन्नतशील रोगरोधी प्रजातियां का चयन करना चाहिये।

पहली कटाई बुवाई के 50-60 दिन बाद करनी चाहिये तथा इसके बाद 30-35 दिन के अन्तराल पर 5-6 कटाई की जाती है। कटाई सदैव जमीन से 6-10 सेमी. की ऊँचाई से काटे जाने चाहिये जिससे पौधे की पुर्नवृद्धि में भाग लेने वाली कलिकाओं को हानि न पहुंचे।

उपज- बरसीम से चारे की कुल उपज 1000-1200 कि./हे. तक प्राप्त होती है।